



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 42 ] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 20, 1979 (आश्विन 28, 1901)  
No. 42 ] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 20, 1979 (ASVINA 28, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकासन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं. ए० 38013/1/79-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक तथा स्थानापन अनुभाग अधिकारी श्रीमती एस० कृष्णन को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० ज्ञापन सं० 33/12/73-स्था० (क), दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 30-9-1979 के अपराह्न से वार्षिक निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृति की महर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

एम० बालाचन्द्रन, अवर सचिव

प्रशासन प्रभारी  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1979

सं. एम-16/70-प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० एन० बमु राय चौधरी, पुलिम उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, ने दिनांक 30-6-1979 के अपराह्न से

(8079)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिम उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

की० ला० ग्रोवर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं. 11/42/79-प्रशा०-I/19788—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री हरी ओमकुमार लवानिया को तारीख 12 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में स्थानापन द्वारा प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री लवानिया का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं. 11/50/79-प्रशा०-I-19794—राष्ट्रपति, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत श्री एम० बी० वीरभद्र राव को जनगणना कार्य निदेशालय अन्ध्रप्रदेश प्रदेश, शिलांग में तारीख 26 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से पूर्णतः अस्थाई और तत्वर्थ आधार पर, एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद निय-

मित्र आधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी अवधि कम हो, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नति पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राव का मुख्यालय शिलांग में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री राव को उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/54/79-प्रश्ना०-I-19791—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री मनमोहन कृष्ण की तारीख 24 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगले आदेशों तक जनगणना कार्य निवेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मनमोहन कृष्ण का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

पी० पूर्वमन्त्री,  
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

प्रार्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—श्री आर० सी० अग्रवाल स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (इन्टेरियोर) को रूपये 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) (समूह “ख” राजपत्रित) के रूप में, दिनांक 25-9-1979 (पूर्वाह्न) से तीन माह के लिये अथवा इस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, जो भी पहले ही, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्ति को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिये कोई भोगाधिकारी प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

पी० एस० शिवराम  
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० 1800-सी०ए०-1/66-79—प्राप्त उप नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) नियमित अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करके लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिए जाने तक प्रथक नाम के सामने कालम 4 में लिखित कार्यालय में कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैयार करते हैं:—

| क्रम | अनुभाग अधिकारी(वा०) | कार्यालय जहां पदोन्नति | कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद सेवा- स्थानापन्न लेखापरीक्षा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में अधिकारी (वा०) के तैयार किए गए रूप में तैयारी की तारीख |
|------|---------------------|------------------------|---|
| सं०  | का नाम              | में पहले कार्यरत हैं   | परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में अधिकारी (वा०) के तैयार किए गए रूप में तैयारी की तारीख  |

| 1                | 2   | 3   | 4 | 5       |
|------------------|---|---|---|---------|
| सर्वेश्री        |   |   |   |         |
| 1. ए० एल० शाह    | मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची।            | सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची। |   | 23-6-79 |
| 2. ए० एम० बाजवा  | महालेखाकार, पंजाब   | —वही—   |   | 18-7-79 |
| 3. बी० के० चौधरी | मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली।        | महालेखाकार, जम्मू एवं कश्मीर  |   | 17-7-79 |
| 4. डी० के० दत्ता | मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, (कोयला), कलकत्ता। | महालेखाकार, ग्रसम आदि   |   | 19-7-79 |

| 1  | 2                        | 3  | 4  | 5       |
|----|--------------------------|--|--|---------|
|    |                          | सर्वश्री   |  |         |
| 5. | के० सुब्रह्मण्यन         | महालेखाकार, उड़ीसा   | महालेखाकार, उड़ीसा   | 15-6-79 |
| 6. | टी० आर० बाला, मुकामानियन | सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड<br>एवं पदेन निदेशक,<br>वाणिज्यिक, लेखा परीक्षा<br>मंत्रालय। | सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक<br>विणिज्यिक लेखा परीक्षा, बम्बई। | 11-7-79 |

एम० एस० ग्रोवर  
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

### सरकारी व्यय आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1979

सं० 1(7) ए/सी० पी० ई०/79—गृह मंत्रालय से स्थानान्तरण होने पर, गुजरात सरकार के स्थायी कर्मचारी श्री पी० जे० पटेल को 1 अगस्त, 1979 के दोपहर पूर्व से अगले आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 775-1200 रु० के वेतनमान में सरकारी व्यय आयोग में निजी सचिव (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के सलेक्शन ग्रेड) के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 3 सितम्बर 1979

सं० 1(8) ए/सी० पी० ई०/79—रक्षा मंत्रालय से स्थानान्तरण होने पर, उक्त मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के ग्रेड “सी” (सलैक्शन ग्रेड) आशुलिपिक श्री नरेन्द्र पाल जैतली, को 22 अगस्त, 1979, के दोपहर पूर्व से अगले आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 650-1040 रु० के वेतनमान में सरकारी व्यय आयोग में वरिष्ठ वयक्तिक सहायक (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का “बी” ग्रेड) के पद पर नियुक्त किया गया है।

य० एस० टेक्चरन्डानी  
ग्रोवर सचिव (प्रशासन)  
सरकारी व्यय आयोग

### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० 18361/प्रशा० I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा से श्रीमती नरेश बाला गोयल का त्यागपत्र 20 मई, 1979 (पूर्वाह्नि) से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

आर० एल० बलश्री  
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक (प्रशा०)

### रक्षा मंत्रालय

आईनेंस फैक्टरी बोर्ड

भारतीय आईनेंस फैक्टरियां सेवा  
कलकत्ता, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

सं० 41/जी०/79—राष्ट्रपति, महोदय, निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न उप प्रबन्धक-I डी० ए० जी० जी० के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख से आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री सुकुमार कोले, सहायक प्रबन्धक (पी) 30 जून, 1979
- (2) श्री य० कुलश्रेष्ठा, सहायक प्रबन्धक (पी) —वही—
- (3) श्री आर० के दीक्षित, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक —वही—
- (4) श्री लक्ष्मन कुमार, सहायक प्रबन्धक (पी) —वही—
- (5) श्री आर० पी० नायर, सहायक प्रबन्धक (पी) —वही—
- (6) श्री आई० बी० डी० गुप्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक —वही—
- (7) श्री पी० के० भौमिक, सहायक प्रबन्धक (पी) —वही—
- (8) श्री नन्द कुमार, सहायक प्रबन्धक (पी) —वही—
- (9) श्री भूप सिंह, सहायक प्रबन्धक (पी) —वही—
- (10) श्री ए० के० सुरेन्द्रन, सहायक प्रबन्धक (पी) —वही—
- (11) श्रीमती शशी चतुर्वेदी, सहायक प्रबन्धक (पी) —वही—

सं० 42/जी०/79—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक-I टी० ए० एस० ग्रो० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री :

- (1) टी० आर० सिन्होल, स्थायी फोरमैन 30 जून, 1979
- (2) ए० के० घोष, दस्तिदार, स्थायी फोरमैन —वही—
- (3) पी० बी० जाचारिया, स्थायी फोरमैन —वही—

|   |             |
|---|-------------|
| (4) बच्चा सिंह, स्थायी फोरमैन                 | 30 जून 1979 |
| (5) ए० के० दे० सरकार, स्थायी फोरमैन           | —वही—       |
| (6) के० एम० सम्पत्त, स्थायी फोरमैन            | —वही—       |
| (7) ए० के० विजयन, स्थायी फोरमैन               | —वही—       |
| (8) आर० टी० हरिभट स्थायी फोरमैन               | —वही—       |
| (9) आर० पी० मूर्ति, स्थायी फोरमैन             | —वही—       |
| (10) एम० आर० राय, स्थायी एस० ए०               | —वही—       |
| (11) एस० पी० शर्मा, स्थायी फोरमैन             | —वही—       |
| (12) के० के० पाल, स्थायी फोरमैन               | —वही—       |
| (13) के० के० भद्रा, स्थायी फोरमैन             | —वही—       |
| (14) आर० बेंकटेशन, स्थानापन्न फोरमैन          | —वही—       |
| (15) श्रीमती निभादेव, स्थायी एस० ए०           | —वही—       |
| (16) श्री एस० एन० दे, स्थानापन्न फोरमैन       | —वही—       |
| (17) श्री एच० एस० सेथालिया, स्थानापन्न फोरमैन | —वही—       |

वी० के० मेहता

सहायक महानिदेशक आर्डमेन्स फैक्टरियो

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

आयात-निर्यात व्यापार नियन्त्रण स्थापना

सं० 6/599/60-प्रशासन(राज०)/6989—सेवा निवृत्ति की आपूर्ति होने पर, संयुक्त मुख्य-नियन्त्रक, आयात-निर्यात कार्यालय कलकत्ता में श्री अर्जीत कुमार बोस, स्थानापन्न नियन्त्रक, आयात-निर्यात में 31 अगस्त, 1979 के दोहपर बाद से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० एस० आर्य  
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात  
हौसे मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(श्रीदेविक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 सितम्बर 1979

सं० ए०-19018(384)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्र-पति जी, ध्वेतीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के लघु उद्योग संबंधन अधिकारी श्री आर० सी० चतुरथ को दिनांक 31 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान बम्बई में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(402)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्र-पति जी, श्री दिलीप कुमार को दिनांक 30 जुलाई, 1979

(पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त  
उप निदेशक (प्रशासन)

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1979

सं० ए०-17011/160-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में अस्थाई अवर क्षेत्र अधिकारी श्री जी० जी० डे को दिनांक 7-9-79 के प्रपराह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० ए०-17011/159-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री एम० सुक्रामणियन को दिनांक 27-8-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में पूर्णता सदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 सितम्बर, 1979

सं० ए०-17011/156-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में अस्थाई अवर प्रगति अधिकारी श्री नन्दनन को दिनांक 16-8-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक निरीक्षण, निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/160-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अवर प्रगति अधिकारी श्री टी० डी० सिंह को दिनांक 31 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक जमशेदपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

पी० डी० सेठ  
उप निदेशक (प्रशासन)  
हौसे, महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० ए०-17011/153-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भण्डा-

परीक्षक (वस्त्र) श्री सुनीत कुमार अक्रवर्ती, को विन 16-8-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आवेशों के जारी ह तक तदर्थ आधार पर मद्रास निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के रूप में स्थानापन रूप से नियुक्त किया है।

कृष्ण किशोर  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कूले महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० प्र० 6/247(496)—इस कार्यालय की दिनांक 21-6-76 की अधिसूचना सं० प्र०-6/76(4)/58/15 में क्रम संख्या 28 पर श्री ढी० बी० जैन के नाम के सामने किये गये इन्द्राज के आंशिक संशोधन में राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कॉल्स के अधिकारी श्री ढी० बी० जैन को दिनांक 27-8-66 (अपराह्न) से भारतीय निरीक्षण सेवा सुप्र "ए" के ग्रेड III की इन्जीनियरी शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण / अधिकारी (इन्जीनियरी) के स्थाई पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं। दिनांक 27-8-66 (अपराह्न) से 5-4-70 की अवधि में श्री जैन को उनकी पुष्टि के लिये पूर्ति और पूनर्वास मंत्रालय (पूर्ति विभाग) के दिनांक 31-3-78 के पत्र संख्या ए-31019/2/72-स्थापना-II (भाग-II) के अधीन सूजित अतिरिक्त पद के मुद्रे संमजित किया जायेगा।

कृष्ण किशोर,  
उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० 4-164/79-स्थापना—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, डा० (श्रीमती) सुषमा जसव्राल को 5 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आवेशों तक अस्थाई रूप में इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में सहायक मानव-विज्ञानी (भौतिक) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सी० टी० धामस  
वरिष्ठ प्रशासनकि अधिकारी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और वृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० 12025/1/79-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री जे० सी० खुराना को सीनियर आर्टिस्ट के पद पर

अस्थायी रूप में 17 सितम्बर, 1979 से आगे आदेश तक नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कूले विज्ञापन और वृश्य प्रचार निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० ए-12025/7/76-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्रीमती पी० के० कथियानी को 20 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आवेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपचर्या सलाहकार के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्रीमती पी० के० कथियानी की उपचर्या सलाहकार के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्रीमती आर० के० सूद ने 20 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से उपचर्या सलाहकार के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उनका उसी दिन अर्थात् 20 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से उनका उपचर्या अधिकारी के पद पर पदयावतीन हो गया।

सं० ए० 12023/2/77-(जे० आई० पी०)/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री झज किशोर प्रसाद को 20 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आवेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, में उप निदेशक (प्रशासन) के पद पर स्थानापन आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 38012/3/79-(एच० क्य०)/प्रशासन-I—सेवा-निवृत्ति की आयु के हो जाने के फलस्वरूप स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक प्रशासन श्री आर० डी० गर्ग 31 अगस्त, 1979 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० ए० 12025/3/76-(जिप)/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० एस० कासीनाथन, को 29 जुलाई, 1978 से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में जन्तु-विज्ञान के लेक्चरर के पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

श्राम लाल कुठियाला,  
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 28 मिनम्बर 1979

सं० ए० 19023/58/78-प्र-—इस निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 31-12-79 तक या जब तक

नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है :—

1. श्री एस० बी० चक्रवर्ती
2. श्री एस० बी० कृष्णमूर्ति
3. श्री आर० बी० कुम्हप
4. श्री एस० डी० फड़के

बी० एन० मनिहार,  
निदेशक प्रशासन  
कृते कृष्ण विपणन सलाहकार,

परमाणु ऊर्जा विभाग  
विद्युत प्रयोजना इंजीनियरिंग प्रभाग  
बम्बई-5, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3(262)/76 प्रशासन-1/4268—  
विद्युत प्रयोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निवेशक एवं  
द्वारा इस प्रभाग के स्थायी प्रबरण कोटि लिपिक श्री एन० टी  
वारवानी को सितम्बर, 24, 1979 के पूर्वाह्न से 8 नवम्बर  
1979, तक के लिये उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी  
के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति  
सहायक कार्मिक अधिकारी श्री क० संकरन कुट्टी के स्थान पर  
की जा रही है जिन्हें प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये भेजा गया  
है।

व० वि० थत्ते,  
प्रशासन अधिकारी

नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना  
नरीरा, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० न० प० वि० प० /प्रशा०/1(152)/79-एस०/10909—  
नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता  
श्री मेहदी इमाम को दिनांक 5 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से  
अग्रिम आदेशों तक के लिये, औद्योगिक समर्क अधिकारी, के पद  
पर स्थानापन्न रूप में रु० 840-40-1000 द० रो०-40-  
1200 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,  
प्रशासन अधिकारी  
कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० डी० पी० एस०/2/1(25)/77-प्रशासन/22991—  
निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बाबू  
ठोड़ोपत्त कवीश्वर, स्थाई लेखाकार, तथा प्रभारी सहायक  
लेखा अधिकारी को, इस निदेशालय की मंत्रास क्षेत्रीय लेखा  
यूनिट में लेखा अधिकारी के पद पर रुपये 840-40-1000-द०रो०  
40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 31 जुलाई, 1979

(पूर्वाह्न) से श्रीमती बी० शकुन्तला की सेवायें प्रतिनियुक्ति  
की शतौं पर वाणिज्य मन्त्रालय के अधीन होने के कारण,  
अग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

क० पी० जोसफ,  
प्रशासन अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० डी० पी० एस० 23/8/77-स्थापना/29652—  
निदेशक, क्रय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग  
इस निदेशालय के निम्नलिखित सहायक लेखाकारों को स्थाना-  
पन्न रूप से, रुपये 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960  
के वेतन क्रम में तदर्थ रूप में इसी निदेशालय में, उनके नाम  
के सामने अंकित तिथियों तक नियुक्त करते हैं।

| क्रमांक                | नाम                   |
|------------------------|-----------------------|
| 1. श्री ए० एम० पारूलकर | 29-3-79 से 30-4-79 तक |
| 2. श्री बी० बी० सावन्त | 21-5-79 से 22-6-79 तक |

सी० बी० गोपालकृष्णन,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 21 सितम्बर 1979

सं० प० ख० प्र०-1/29/78 प्रशासन—परमाणु, ऊर्जा  
विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री ग्ररविन्द  
बालासाहब आवती को परमाणु खनिज प्रभाग में 3 मई, 1979  
की पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से  
वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० प० ख० प्र०-1/13/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा  
विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री जी० जी०  
जोस्फ, को परमाणु खनिज प्रभाग में 5 सितम्बर, 1979 की  
अपराह्न से लेकर आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से  
वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० ई० (1) 00803—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान  
विभाग के श्री बी० पी० काम्बले, स्थानापन्न मौसम

विज्ञानी श्रेणी-I, को दिनांक 27-8-1979 के पूर्वाल्प से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में प्रादेशिक भौसम केन्द्र, नागपुर का निवेशक नियुक्त करते हैं।

एस० के० दास,  
भौसम विज्ञान के उप-महानिवेशक  
(प्रशासन और भण्डार)

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1979

सं० ए०-३२०१३/१०/७९-ई-१—महानिवेशक नागर विमानन इस विभाग के स्थायी लेखापाल श्री एस० आर० भाटिया को 1 सितम्बर, 1979 से 49 विन की अवधि के लिये नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री पी० आर० लरोइया के स्थान पर की गई है, जिन्हें अर्जित छट्टियां भंजूर की गई हैं।

सी० के० वस्स,  
सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1979

सं० ए०-३९०१३/७/७९-ई० ए०—श्री ए० के० शर्मा, सहायक विमान अधिकारी, बम्बई एयरपोर्ट ने दिनांक 28-8-1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्याग-पत्र दे दिया है।

बी० बी० जीहरी,  
सहायक निवेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० १६/३३५/७९-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री पी० नारायणप्रसा को वन अनुसंधान प्रयोगशाला, बंगलूर में दिनांक 27 जुलाई, 1979 के पूर्वाल्प से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरवयाल मोहन,  
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहृतालिय

पटना, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० ११(७)/२-स्था०/७९/१२३६—इस समाहृतालिय के निम्नलिखित स्थानापन्न/स्थायी अधीक्षक, समूह 'ख' अपनी सेवा की आयु पूरी कर उनके नाम के सामने विद्याये गये तारीख अनुसार सेवा निवृत्त हुए।

| क्रम सं०  | नाम             | सेवा निवृत्ति की तिथि |
|-----------|-----------------|-----------------------|
| १         | २               | ३                     |
| सर्व श्री |                 |                       |
| १.        | जगनारायण प्रसाद | ३१-१०-७८ (अपराह्न)    |
| २.        | डी० एन० सिंह    | ३०-११-७८ (अपराह्न)    |

| १                        | २ | ३                 |
|--------------------------|---|-------------------|
| ३. मो० एन० हसन           |   | ३१-१-७९ (अपराह्न) |
| ४. पी० आर० शर्मा         |   | ३१-१-७९ (अपराह्न) |
| ५. एन० एन० सिन्हा        |   | ३१-१-७९ (अपराह्न) |
| ६. जी० एन० वर्मा         |   | ३१-१-७९ (अपराह्न) |
| ७. बी० एन० पी० सिन्हा    |   | ३१-१-७९ (अपराह्न) |
| ८. कुशेश्वर प्रसाद वर्मा |   | २८-२-७९ (अपराह्न) |
| ९. बी० डी० चौधरी         |   | २८-२-७९ (अपराह्न) |
| १०. एम० प्रधान           |   | ३१-३-७९ (अपराह्न) |
| ११. सी० डी० नाथ          |   | ३०-४-७९ (अपराह्न) |
| १२. के० एन० प्रसाद       |   | ३१-५-७९ (अपराह्न) |
| १३. आर० पी० तिवारी       |   | ३१-८-७९ (अपराह्न) |

श्री० के० सरकार  
समाहृता

मद्रास-1, दिनांक 18 सितम्बर 1979

सीमाशुल्क/स्थापना

सं० ४/७९—श्री आर० एन० विस्वनाद को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार ३१-८-७९ के पूर्वाल्प से अगले आदेश तक अस्थाई रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर-विशेषज्ञ नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

ऐ० सी० सलवाना  
सीमा शुल्क समाहृता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के

सं० ९/७९—श्री आर० के० कपूर-I, ने, जो पहले राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय में, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहृता के पद पर कार्य कर रहे थे, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के आवेदन सं० १६६/७७, दिनांक ११-९-७९ के (पा० सं० ए० २२०१२/३६/७९-प्रशा०-II) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक १२ सितम्बर, १९७९ के (पूर्वाल्प) से निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दया सागर,  
निरीक्षण निवेशक

## मध्य रेलवे

बम्बई बी० टी०, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० एच० पी० बी० 220/जी०/ग्राइ/टी० सी० — निम्न-  
लिखित अधिकारियों को भारतीय रेले यातायात सेवा के  
वरिष्ठ वेस्टमान में उनके नाम के सामने अंकित तारीख से  
स्थायी किया जाता है :—

| क्रम सं० | नाम                   | स्थायीकरण की तारीख |            |
|----------|-----------------------|--------------------|------------|
|          |                       | अनन्तिम            | अंतिम      |
| 1.       | श्री एस० के० अग्रवाल  | 19-2-1970          | 1-9-1971   |
| 2.       | श्री एस० एन० शर्मा    | 1-9-1971           | 1-9-1971   |
| 3.       | श्री आर० के० शर्मा    |                    | 1-11-72    |
| 4.       | श्री एस० के० सिंह     |                    | 21-5-1973  |
| 5.       | श्री बी० के० वर्मा    |                    | 5-3-1975   |
| 6.       | श्री सी० एम० खोसला    |                    | 5-3-1975   |
| 7.       | श्री पी० सी० जोहरी    |                    | 1-7-1975   |
| 8.       | श्री विजय कुमार       |                    | 23-8-1975  |
| 9.       | श्री आर० सी० सक्सेना  |                    | 1-10-1975  |
| 10.      | श्री बी० के० सिन्हा   |                    | 1-12-1975  |
| 11.      | श्री एम० सी० कपूर     |                    | 1-5-1976   |
| 12.      | श्री आर० एल० सेठ      |                    | 2-8-1976   |
| 13.      | श्री मुशील कुमार      |                    | 1-10-1976  |
| 14.      | श्री टी० कुमार दास    |                    | 1-5-1977   |
| 15.      | श्री सर्वेन्द्र कुमार |                    | 1-7-1977   |
| 16.      | श्री एस० पी० शर्मा    |                    | 30-11-1977 |

कुण्डन चन्द्र,  
महा प्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चन्द्र गुप्ता प्रकाशन  
लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० (407) 560/78-79/3263—कम्पनी अधिनियम  
1950 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसार एतद-  
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के  
प्रवसान पर चन्द्र गुप्ता, प्रकाशन लिमिटेड का नाम इसके प्रति-  
कूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया  
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

पी० के० चट्टर्जी,  
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना  
तथा उमा इनवेस्टमेंट प्रा० लिमिटेड  
बम्बई, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० 13110/Liquidation (समाप्ति)—सिविल अर्जी  
सं० 22-4-76 में महाराष्ट्र में स्थित उच्च न्यायालय के  
तारीख 23-7-1976 के आदेश द्वारा उमा इनवेस्टमेंट प्रा०  
लिमिटेड का परिसमाप्त करने का आदेश दिया गया है।

ह० अपठनीय  
कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोतवार  
एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
मालियर-474008, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० 790/लिमिटेड/3328—कम्पनी अधिनियम, 1956  
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा  
सूचना दी जाती है कि पोतवार एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड  
(परिसमाप्त) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है  
और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,  
कम्पनी रजिस्ट्रार

प्रस्तुत भाई० दी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निवेश सं० आई० ए० सी० ए० क्य०/II/एस०आर०-III/940/  
1-79/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वातंत्र अपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गदमपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 12-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण निवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरम से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रभारक के वायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आप या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के प्रभारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, प्रवाद :—

2—286GI/79

1. श्री मांगे राम पुन्न बुध राम

पता : 35, युसफ सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री बहावुर सिंह पुन्न बिशन सिंह  
गांव, गदमपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवक्षित द्वारा अधोदृस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बीघा 16 विस्वा, खसर नं० 276/2,  
गांव गदमपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

कु० अंजनी ओजा  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख 22-9-1979

मोहर :

प्रह्लप प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निवेश सं० आई० ए० मी० /एक्य०-१/एस० आर०-III/  
974/जून-79/78-79—अतः मुझे कु० प्रांजनी ओजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो गांव गदमपुर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 24-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसो किसी आय या निसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

या: प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपरांता (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पत :—

1. श्री भीर मिहू, बिली राम और लखी राम सुपुत्र  
श्री चन्दगी, पता मोहम्मदपुर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्री बहादुर सिंह सुपुत्र स० बिशन सिंह  
मारफत स० करतार सिंह पोल्टरी फार्म, गदमपुर,  
नई दिल्ली (अन्तरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्पण के  
लिए कायवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्पण के संबंध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोषिताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**इष्टदीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क, में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया  
गया है ।

### मनुसूची

कृपि भूमि 10 बीघा 12 विस्वा, खसरा नं० 226  
(4-16), 225 (4-16), 276 (1-0) स्थित गांव गदमपुर,  
नई दिल्ली ।

कु० प्रांजनी ओजा  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, दिल्ली

तारीख 22-9-1979  
मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निवेंश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०-१/एस०आर०-III/930/  
1-79/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन समाम प्राधिकारी का यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा गांव गदमपुर नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण स्पै से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख 8-1-1979

को पूर्णत मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के नए तय पाया गया  
प्रतिफल, तिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक  
कर से किया नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या पन्द्र ग्राहितियों को  
जिन्हें भारतीय माध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ  
प्रतिरोद्ध द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए एवं, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रविन्यम की धारा 269-ख के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. श्रीमती भाग्यवती, भरत सिंह शांती, धर्म सिंह,  
चमेली, दिवान सिंह और हीरा वती पन्नी अतर सिंह  
कोटला, भुवारकपुर, नई दिल्ली  
जरीय मुख्तयार श्री दयाराम  
गांव गदमपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लखबीर सिंह पुत्र अमीर सिंह  
गांव गदमपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अंजन के लिए  
कार्यालयी शुल्क करता है।

उक्त मंगल के अंजन के मंगल में कोई भी पाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना को  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से  
किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रितबद्ध किसी  
प्रथम अधिकारी द्वारा अधोदस्ताभारी के पास लिखित में  
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
मर्ज होंगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 थीथा 4 विस्वा, खसरा नं० 227, गांव  
गदमपुर, तहसील, मैहरीली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा

समाम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 22-9-1979

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-१/एस० आर०-III/  
1-79/931/78-79—अतः मुझे कु० अर्जनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गदमपुर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 8-1-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का वर्गह प्रतिक्षत से अधिक है  
धीर प्रतिफल (प्रतिफलों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रमुखण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं  
किया गया है।—

(क) प्रमुखण से हुई किसी मायथ की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के बायित  
में कमो करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ग) ऐसी किसी आय या किसी घन या पर्याप्तियों को,  
जिनमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या दो किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की भारा 269 व के प्रनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अवित्यों अधित—:

1. भीम सिंह पुत्र संडू सिंह और शिव नारायण पुत्र संडू सिंह  
गांव ल्याला, नई दिल्ली।  
जिस्ये भुज्यार श्री व्याराम, गांव गदम पुर, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्री लखबीर सिंह पुत्र अमीर सिंह  
पता: गांव गदम पुर, नई दिल्ली।

को यह सूचना आरो जरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करना है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्यों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में  
से किसी अवित्य द्वारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी  
प्रत्येक अवित्य द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

### बनुसूची

कृषि भूमि 4 विधा 98 विस्ता, खसरा नं० 212, स्थित  
गांव गदमपुर, तहोली, मैहरीली, नई दिल्ली।

कु० अर्जनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली

तारीख 22-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राई. दी. एम. एस.—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विल्सी-1,

4/14 क, आसफाबली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निर्देश सं. आई. ए. सी. ०/एक्यू.०-१/एस.आर.०-III/  
1-79/947/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग  
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गद पुर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 12-1-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमात्र  
प्रतिफल के लिए मन्त्रित की गई है और मूँझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
इच्छित बाजार मूल्य, उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिक है और  
मस्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरिक्षियों) के  
बीच ऐसे प्रत्यक्षण के निए उपर्याप्त प्रतिक्षण, निम्नान्वित  
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण सिद्धित में वास्तविक रूप में काढ़ित  
नहीं किया गया है।—

(क) उक्त भूमि आय की बाबन, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके  
शायदी में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा  
के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अमन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपस्थाना (1)  
के अधीन, विस्त्रित अधिकारी, अर्थात् :—

1. मांगे राम पुत्र बुध राम, यूसफ सराय,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लखबीर सिंह पुत्र श्री अमीर सिंह, गांव गदग्पुर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर  
किसी मन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के मन्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन मन्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, 4 बीघा 16 विस्था खसरानं० 213/1(2-8)  
213/2, (2-8), स्थित गांव गदग्पुर, तहसील मैहरोली,  
नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, विल्सी नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफाबली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए८५०/१/एस०आर०/९८४/  
जन०-७९/७८-७९—अतः मुझे, कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रधानत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गदयपुर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित [की गई है और मृगे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नविवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखि० में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नविवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) पृथी मिह पुत्र फतन,
- (2) रघबीर मिह
- (3) अन्त राम
- (4) राम स्वरूप पुत्र पृथी
- (5) अन्तो देवी पत्नी मनेहरो (1/6 हिस्सा)
- (6) श्रीमती बोहती पत्नी मोहर सिंह (1/6 हिस्सा)
- (7) श्रीमती बिरमा पत्नी हुकम सिंह (1/6 हिस्सा)
- (8) श्रीमती चमेली पत्नी सीस राम (1/6 हिस्सा)
- (9) फूल वती (1/6 हिस्सा)
- (10) कशो राम
- (11) दया चन्द्र और विजय मिह (1/6)

गांव उदयपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुनवत्ती पत्नी नानक राम, गांव गदयपुर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

**बन्नुसूची**

कृषि भूमि 9 बीघा 12 विस्वा खसरा नं० 581/1, 581/2,  
582/2, स्थित गांव गदयपुर, नई दिल्ली ।

कु० अंजनी ओजा  
संकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 22-9-1979

मोहर:

प्रह्लाद प्राईंट ट्री०एन० एस०—  
अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14क, आमफली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 22 मित्रवद 1979

निरीक्षण मं. श्राईं प० सी०/एक्यु०-1/एम०श्रा०-III  
965/1-79/78-79—अन: मुझे, कु० अंजनी ओजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी मं. कृषि भूमि है तथा जो गांव चंदन होला, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 15-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के प्रदीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रत: घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रनी खान और मोहम्मद खान पुत्र मुदारी,  
गांव चंदन होला, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मुभाष चोपड़ा, सुनील चोपड़ा, एशा चोपड़ा और  
कुम्कुम चोपड़ा 2-ग, मैटकाफ रोड, दिल्ली।

(अन्तरिति)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकें।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
मर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 14 दीघा खमरा नं. 136(5-0), 137(4-16),  
स्थित गांव चंदन होला, तहसील माझोली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. ०-----

ग्राम पंचायतियम्, 1961 (1961 का 43) की घारा  
२६९ घ (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं. ए०ए०आर०/७९-८०/१०२—अतः मुझे,  
ए० ए० महाजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा २६९-घ  
के प्रतीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु.  
से अधिक है।

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो सुलतानविड, तरन तारन  
रोड पर स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्लिन  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान  
प्रतिक्लिन से ऐसे बृश्यमान प्रतिक्लिन का पक्का है प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तथा गया प्रतिक्लिन, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया  
गया है :—

(क) प्रभारण से हुई इसी घार की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी घार या किसी धन या मन्त्र आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबं  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा २६९-घ के पन्द्रहरच में,  
उक्त अधिनियम की घारा २६९-घ की उपचारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अधितियों, अर्थात् ।।।

1. सर्वश्री महिन्द्र मिह, सविन्द्र मिह और रजिन्द्र मिह, गुरदेव  
मिह पुत्रान स० अमीटा मिह, निवासी निजामपुर,  
जिला अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. सर्वश्री बलबन्त मिह, दलबीर मिह और अर्जैब मिह  
पुत्रान स० मुन्दर मिह, निवासी चौक बाबा भौड़ी बाला  
मकान नं. २५८८/५, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जमाकि ऊर सं. २ में और कोई किरायेदार होते  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में हुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह युवता जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यादिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जानेवाला :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन को प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की जामील से ३० दिन की अवधि, जो भी प्रवधि या  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषित शब्दों या उपरोक्त अन्य अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभ्रान्ति है,  
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1625 वर्गमील है  
जो कि सुलतानविड तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है  
जमाकि सेल डीड नं. ३७५२/१, दिनांक 11-1-79 आफ  
रजिस्ट्रीग्रामारिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

ए० ए० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-8-1979

मोहर :

प्रत्येक प्राईंट दी० एन० एस०

वा० १५८ प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा

२६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० प्राम० प्रार०/७९-८०/१४३—अरु०: मुझे  
एम० एल० महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ष  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जोकि सुलतान विड रोड, तरन  
तारन रोड पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूण स्थित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम १९०८ (१९०८ का १६)  
के अधीन जनवरी, १९७९

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
शरिहर के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घनरक्ष (घनरक्षों)  
और रातियों (पन्तरितियों) के बीच ऐसे घनरण के लिए  
तारागता या सरिहर विमतिविहित उद्देश्य से उक्त घनरण  
विकित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(ल) प्रमाण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
प्रधिनियम के अवैत कर देने के प्रस्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(म) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिसने भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त प्रधिनियम या  
प्रत्यक्त प्रधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना आदि था, छिपने में  
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसार  
में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा २६९-ष की लगाता (१)  
के अधीन विमतिविहित अधिकारी, प्रबातः:—

- स० घसीट मिह पुत्र म० मान सिंह  
तिवासी निजामपुर जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

- श्री बलवन्न मिह, दलवीर सिंह और अजैव सिंह  
पुत्रान न० सुन्दर मिह, तिवासी अमृतसर चौक बाबा  
भौड़ी बाला, मकान न० २५८८/५, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊर सं० २ में ओर कोई किरायेशार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिकारी में सम्पत्ति है )

- यदि और कोई व्यक्ति जो जायदाद में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरो  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरो अरके पूर्वोक्त भास्ति के भवेत के लिए  
नाबंधादियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इन बूचता के राजवाल में प्रहारन की तारीख से  
४५ दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तासीत ने ३० दिन की प्रवधिय, जो भी  
प्रवधि बाद में नवाल द्वाती क्षी, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन बूचता के राजवाल में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रदोहस्ताक्षरो के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोक्तण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रधाय २०-क में परिमापित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1025 वर्ग गज है  
जोकि सुलतान पुर विड, तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है  
जैसा कि सन डीड न० ३७५१/१, दिनांक ११-१-७९ आफ  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अमृतसर में गहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, अमृतसर

तारीख: 16-8-1979

मोहर :

प्रदूष पाई दी एवं एस-

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० दी०टी०/79-80/144—अतः मुझे एम०  
एल० महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव खान रायजादा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय तरन तारन में  
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्राप्त हुआ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरग के बिंदु  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक कर से कर्यात् नहीं हिस्सा नहा है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय को बाबा उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तुरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या हिस्सी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के  
अनुसार में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की  
उच्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों अवधारित:—

1. श्रीमती चान्द कौर पुत्री श्री गन्डा सिंह,  
निवासी गांव खान, रायजादा, तहसील तरन तारन।  
(अन्तरक)

2. श्री सुखदेव सिंह पुत्र स० मेया सिंह गांव खान रायजादा  
तहसील तरन तारन।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किसायेदार हो तो  
(वह अविक्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई अविक्त सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह अविक्त, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोक्तण:**—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल है जोकि गांव  
खान रायजादा तहसील तरन तारन में स्थित है जैसा कि सैल  
डीड नं० 5892 दिनांक 30-1-79 आफ रजिस्ट्रीग अधारिटी  
तरन तारन के कार्यालय में है।

एम० एल० महाजन  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 18-8-79

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अगस्त 1979

निवेश सं० ए० एस० आर०/78-79/145—प्रतः मुझे,  
एम० एल० महाजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्र अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट जो कि सरकुलर रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वायत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-न के प्रनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्: —

1. श्री सुरिन्द्र कुमार सहगल, पुत्र श्री शोरी साल 92, केनेनी एवन्यू, अमृतसर :  
(अन्तरक)

2. श्री शाम सुन्दर पुत्र श्री गौरी शंकर, कटरा और कूचा, भाई सत्त सिंह, अमृतसर :  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और किरायेदार हो तो  
(वह यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो इस जायदाद में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 458.2 वर्ग मीटर है जोकि सरकुलर रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में शहर के कार्यालय में लिखा है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयकर (निरीक्षण)  
प्रजेन रेंज, अमृतसर

तारीख: 20-8-79

मोहर :

प्रकाप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, वहायक भायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए०ए०स०आर०/78-79/146—अतः मुझे एम०  
ए० महाजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व  
के प्रधीन सभी प्राविहारी को, यदि विश्वास करने का कारण  
इहि भायकर सभानि, जिप्ला उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो सरकुलर  
रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जनवरी, 1979

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रनतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाग्राम्यक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
निवृत्त प्रतिकार प्रतिकार से, और प्रतिकार (प्रनतरित) और  
वन्तरित (वन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिकार, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त प्रनतरण,  
निखित में वास्तविक छुट व छवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय न हुई किसी वर्ता या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें मान्याय पायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
मुश्किल के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व की उपकारा (1)  
के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सुरेन्द्र कुमार पुत्र शोरी लाल,  
92, कैनेडी, एवेन्यू, अमृतसर ।

(प्रनतरक)

2. श्री इन्द्र जीत सिंह, पुत्र गुरजीत सिंह,  
18, ग्रलबर्ट रोड, अमृतसर ।

(प्रनतरिती).

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कि कोई किरायेवार है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के प्रधीन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पूर्वोत्तमताकरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 458.2 स्क्वायर गज है जो  
सरकुलर रोड, पर है जैसा कि रजिस्टर नं० 4035 दिनांक  
31-1-78 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अशार्टी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 20-8-1979  
मोहर :

प्रकाश आई० ई० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 अगस्त 1979

निवेश सं० ए० प० आर०/78-79/147—अतः, मृष्टे,  
एम० एल० महाजन  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269ए के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर मम्पति, जिमता उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इपये से अधिक है

और जिसकी सं० ए० प्लाट छपई रोड, पर है तथा जो……में स्थित  
है (और इससे उपानद अनुमती में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनि-  
यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए प्रतिशत को गई है और मृष्टे यदृ विश्वास करने  
का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पर्याय गया  
प्रतिफल, निम्ननिम्नता उक्त न उक्त प्रतिफल लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने पर सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी फिसी आय या किसी बन या अभ्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269ए के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269ए की उपचारा (1)  
अधीन निम्नविवित अवित्तियों, अवातः:—

1. श्री मेहर सिंह व तरलोक सिंह पुत्र सुन्द्र सिंह,  
निवासी 475 गरीन औवीनियु, अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्री भजन लाल पुत्र अमर नाथ, प्रो० म०  
अलाइंस ट्रेडिंग कम्पनी, गली नं० 3, पुतली घर,  
अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 और कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

4. यदि और कोई व्यक्ति रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के भंडव में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीब से  
45 दिन की प्रवधि या उपसंबंधी अवित्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों  
में से किसी अवित्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध फिसी अन्य अवित्त द्वारा, पूर्वोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में फिए जा सकेंगे ।

संज्ञोक्तरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक प्लाट छपई रोड, डैग गन्त अमृतसर जैसा कि  
रजिस्टर्ड डीड नं० 4039/I दिनांक 31-1-79 आफ रजिस्ट्रिंग  
अधारिटी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन  
सकाम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 24-8-1979

मोहर:

प्रस्तुत प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एम० प्रार०/79-80/148—अतः, मुझे, एम० एल० महाजन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक मारत कटरा शेर सिंह है तथा जो..... में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरे किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्राय प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, वे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवादतः—

1. श्री प्यारा लाल मोहन लाल पुत्र परस राम निवासी 34, न्यू टेलीफोन एक्सचेंज, अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ पुत्र श्री हाकम राय खंडाती, श्री बलदेव राज पुत्र अमरनाथ निवासी 92, कटरा जैमल सिंह, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 और कोई किरायेदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई और व्यक्ति सम्पत्ति में हच्चि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीक्षित जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित जानता होने के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

परिवर्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक कोठी रकबा, 114 वर्ग भाटर, कटरा शेर सिंह में जैसा कि मैल डीड नं० 3665/L, दिनांक 1-9-79 प्राक रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 27-8-79

मोहर :

प्रलेप प्राई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निवेश सं० ए० एस० आर०/79-80/149—अतः, मुझ,  
एम० एस० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक बिल्डिंग कटरा घेर सिंह अमृतसर है, तथा जो  
..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) वे बीच ऐसे प्रतिरित के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दृश्य किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुचरण  
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उच्चारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्रीमती स्नेह नता पत्नी तरलोक चन्द्र और श्रीमती रमेश  
कुमारी पत्नी श्री जगदीश चन्द्र निवासी 1563/8,  
बाजार नमक भन्डी, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री मुकेश चन्द्र मुप्रव राम लाल और शंकर लाल पुत्र  
देवी लाल निवासी 109, कटग जैमल सिंह,  
अमृतसर। (अन्तरक)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

एक बिल्डिंग कटरा घेर सिंह में क्षेत्र फल 114 वर्ग मीटर  
जैसा कि सैल डी० नं० 3664/I, दिनांक 5-1-79 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 27-8-79

मोहर :

प्रह्लाद ० दो० एन० एस०—

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन पूछना

उच्च सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/150—अतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
में प्रधिक है

और जिसकी प्लाट आफ लैण्ड है तथा जो सुलतान सिंह रोड, अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यहाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान उत्तरान से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्दा  
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तथा याया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किया आय की बाबत उच्च अधिनियम के प्रवीन कर इने के भन्तरक के दार्त्त्व  
में कमी करने या उससे बचने में उचित के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवय या धन्य उपस्थियों  
को जिन्हें उच्च अधिकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या १९५२ र  
अधिनियम, 1957 (1957 का ११) के प्रयोगनार्थ  
भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
उद्या जाता चाहिए था, जिसमें मुविधा के लिये;

प्रतः, उच्च अधिनियम की धारा 269-व के अनुकरण  
में, मैं, उच्च अधिनियम की धारा 269-व को उपलापा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्तु:—

1. श्रीमती मतबन्त कौर पत्नि करतार पिंड  
निवासी-माजीठा तहसील, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स इतफाक फोन्डरी इस्ट मोहन नगर  
अमृतसर।

3. जैसा कि सं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार हो तो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. यदि और कोई व्यक्ति जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह पूछना जारी करके पूछौंवा सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए जार्यबाहियां करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होड़ सो भारत :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की  
तारीन :- ३० अगस्त अवधि, और भी यवनि लाद  
में भवान्य होती हो, के भीने २ प्रामाण्य व्यक्तियों में से  
एकी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में फिर जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च  
अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम्म घण्टाद में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

एक प्लाट क्षेत्रफल 1708.33 वर्ग मीटर जो सुलतान विंड  
रोड पर जैसा कि सैल डीड नं० 3629/I दिनांक 2-1-79  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 27-8-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निवेश स० ए० एस०आर०/79ब980ब/152—अतः मुझे  
एम० एल० महाजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो सुलतान सिंह रोड पर स्थित  
है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा  
के लिए; भीरया

(ल) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

4-286 GI/79

1. श्रीमती जसवन्त कौर पत्नि श्री करतार सिंह, निवासी  
मजीठा, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मै० इतफाक फाउन्ड्री, बक्से,  
ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर स०२ में और कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त प्रबों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट थक्क फल 1708.33 वर्ग भीटर, सुलतान सिंह  
रोड, जैसा कि सेल ईड नं० 3792/I. दिनांक 15-1-79 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में बर्ज है ?

एन० एल० महाजन  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 27-8-79

मोहर :

प्रकल्प आई०टी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/152—यतः मुझे,  
एम० एल० महाजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट आफ लैण्ड है तथा जो सुलतान सिंह रोड  
पर स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
प्रत्यक्ष (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कर्तित  
नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षण से ही किसी पाय को बाबत उक्त  
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निःसीधन या प्रत्य आस्तियों  
को, जिन्हे सारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या  
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में नुक्तियों के लिए;

अतः घर, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के  
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व  
की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात्।—

1. श्रीमती कुलबन्त कौर, पति श्री मोहन सिंह निवासी  
मजीठा तहसील, अमृतसर।

(प्रत्यक्ष)

2. मै० विरदी बोबिन्ज इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०  
ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(प्रन्तरिती)

3. जैहा कि ऊपर सं० 2 और कोई किरायेदार है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में लूचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के प्रायाय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रायाय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट क्षेत्रफल 2333.33 वर्ग मीटर, सुलतान सिंह  
रोड, जैसा कि सैल डोड नं० 3630/I दिनांक 2-1-79 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 27-8-1979

मोहर:

प्रशंसन प्राईटी टी.एन.एस.—

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर प्राप्तकर (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निदेश सं. ए. एम.प्रार. 79-80/153—प्रत: मुझे, एम. एल. महाजन

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उचित उत्तर प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संशमन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं.प्लाट आफ लैण्ड है तथा जो सुलतान सिंह रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण में दुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्राप्तकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः—

(1) Smt. Kulwant Kaur, w/o S. Mohan Singh, r/o Majitha, Tehsil Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Tarlok Singh s/o S. Shad Singh, Harbans Singh, Ajaib Singh, Anup Singh, ss/o Tarlok Singh, r/o Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट सुलतान सिंह रोड पर क्षेत्रफल 1937.50 वर्ग मीटर, जैसाकि सैल डील नं. 3791/I, दिनांक 15-1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।

एम. एल. महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्राप्तकर प्राप्तकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 27-8-79

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निवेश सं० ए० ए० ए० आर०/79-80/154—आतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट का टुकड़ा, धुनी चन्द रोड,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसुची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्लह प्रतिगत से  
अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
आना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवार्ता:—

1. श्री पूर्वोपाल सिंह पुत्र मेजर हरनाम सिंह  
44, शहीद भगत सिंह रोड, 54 एम० जी० रोड,  
आनन्द बाजार, आगरा यू० पौ०। (अन्तरक)
2. श्री बंशो लाल पुत्र गोपीराम कटरा शेर सिंह,  
शास्त्री भवन, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है यदि कोई किरायेदार होतो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सचि रखता होतो  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसुची

एक प्लाट का टुकड़ा नं० 14, राज बहादुर धुनोचन्द रोड,  
अमृतसर रजिस्ट्रीकूत नं० 934/1, दिनांक 24-1-79 रजिस्ट्री  
अधिकारी अमृतसर शहर में है ।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-8-79

मोहर :

प्रकल्प शाई० टी० एन० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-व (1) के पद्धीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतमर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निदेश [सं० पीकेटी० /79-80/155-अतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पालनात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व  
के पद्धीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से  
अधिक है।

और जिसको सं० भूमि गांव दोलतपुर, पठानकोट में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररक्तों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के पद्धीन, कर देने के अन्तरक के  
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी घाय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती माविनी देवी, मिशन रोड, पठानकोट।  
(अन्तरक)
2. श्री भगवान दास पुत्र राम लाल,  
ढोकी तहसील, गुरदासपुर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 पर और कोई किरायेदार हो  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्दन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 2 कनाल, दोलतपुर गांव, पठानकोट में जैसा कि सैल  
डील नं० २९२०, दिनांक 11-1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
पठानकोट म दर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतमर

तारीख: 4-9-1979

मोहर :

प्रकल्प आईटीएनएस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 नितम्बर 1979

निदेश सं० एएसआर०/79-80/156—अतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अंतर्गत सभी प्राप्तिहारी को, वह क्रियान्वयन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० एक जमीन, बाजार जौरा पोपल, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रेशन, अधिनियम 1908 (1909 का 16) के प्रधीन जनवरी, 1979 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रभुरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितार्यां) के बोतले प्रभुरित के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण में दुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य या अन्य आस्तियों की दिनहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रनुसारमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरजीत सिंह चावला पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह श्रीर विरेन्द्र सिंह चावला, पुत्रगण जोगिन्दर सिंह ।  
(अन्तरक)

2. श्री किशन चन्द्र पुत्र मुन्दर दाम और दर्शनलाल पुत्र रखा मल  
निवासी : 116, सकरांगर, अमृतसर ।  
(अन्तरिती)

3. जैमा कि सं० २ में है यदि कोई किरायेदार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
4. यदि कोई व्यक्ति इस समाति में रखा हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधान के लिए कार्यालयियां करसा दें।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के प्रवाख्य में दोई भी आवेदन :—

(क) इन मूल्यों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवावद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टोक्तरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधान 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त प्रधान 20-क में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक मकान नं० 243 और 247/7, कटरा गर्भा सिंह बाजार, जीरा पोपल, अमृतसर रजिस्ट्रीकूत नं० 3650/1, दिनांक 5-1-79 और रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 4-9-79

मोहर :

लोका शार्दूली० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के प्रधीन गृहना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 मित्स्वर 1979

निदेश सं० ए० एसग्राम०/79-80/157—यतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० ½ भाग प्राप्ती, मजीठ मंडी, अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908, (1908 का 16) के प्रधीन  
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल विधित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरण से छुटे किसी धारा की वावद उक्त  
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्दरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्रार या किसी अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे प्रारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
वरा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण  
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)  
के निप्रधीन, न्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती स्वर्णजीत कौर पत्नी प्रितपाल सिंह  
निवासी जी० आई० 1032, सरोजनी नगर, दिल्ली,  
हरजीत सिंह मुख्तयार आम  
(अन्तरक)

2. श्रीमती आशारानी पत्नी कन्ज लाल  
निवासी ई० एप० 430 कृष्णा नगर, जालंधर सिटी।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में यदि कोई व्यक्ति किरायेदार हो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में ऊचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्तान्त्री  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के  
लिए कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रब्रिया या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की नामीन में 30 दिन की प्रब्रिया  
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;
- (ख) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तान्त्री  
के पाया निकित में किये जा सकेंगे।

**प्रधीनकरण :—**—इसमें प्रयुक्त गद्दों भीर पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रयोग 20 के परिमाणित  
हैं, वही वर्ते होंगा जो उस अन्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

इ सम्पत्ति नं० 336/1, मजीठ मंडी, अमृतसर में  
जैसा कि सैल छीड़ नं० 3746/I दिनांक, 11-1-79 को रजिस्ट्री-  
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979  
मोहर :

प्रकाश प्राईटी एनो एस—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निदेश सं. एप्रिल 1979/79-80/158—अतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, वह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. ½ हिस्सा मकान मजीठ मन्डी, अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जनवरी, 1979 को

पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा का धन या भग्न ग्रासितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरजीत सिंह पुत्र निक्का सिंह  
निवासी 2/101, रूप नगर, देहली।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती राधा रानी, पत्नी कश्मीरी लाल  
2-ए, न्यू, गोविन्दगढ़, जालन्थर सिटी।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो  
तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभित में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
ग्राहक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसन्धान

½ मकान नं. 336/6 बाजार मजीठ मन्डी, अमृतसर  
जैसा कि सैल छीड़ नं. 3745/I, दिनांक 12-1-79  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एएसआर०/79-80/159—आतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके उक्त भवितव्य 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-च के प्रधीन सत्तम आधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान भगती वाला गेट, अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपावक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरकों) और  
प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी पाय की वादत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के  
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी पाय या किसी छवि या घन्य आकृतियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

आतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण  
में, वै, उक्त अनुसूची की धारा 269-च की उपभारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
5—286GI/79

1. श्री बुध सिंह सुनुव बिशन सिंह और हरबन्स सिंह पुत्र  
विशन सिंह दाव वस्ती राम, अमृतसर।  
(ग्रन्तरक)

2. श्री अमरीक सिंह सुनुव अजीत सिंह  
निवासी 63, सन्त नगर, अमृतसर।  
(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में और कोई किरायेशार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
4. यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुपर रखा हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकारी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिमावित हैं,  
वही प्रयृ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्राप्ती भगती वाला गेट, अमृतसर में है जैसा कि  
सैल डीड नं० 3941/I, दिनांक 24-1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तुक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निदेश सं० एएसआर०/79-80/160—अतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
‘इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ग  
के प्रधीन सम्म प्राविधिकों को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एकसिड भगतां वाला गेट, अमृतसर में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी, दिनांक  
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एकदृष्टि प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रभ्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधान:—

1. श्री बुध सिंह पुत्र विश्वमिह और हरवन्ध सिंह पुत्र बुध सिंह  
निवासी: धा वस्ती राम, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जीत सिंह पुत्र भगत सिंह  
निवासी: 63, सन्त नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

4. यदि कोई व्यक्ति, इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की नामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मकान भगतां वाला गेट, नियर: सन्त नगर, अमृतसर  
रजिस्ट्रीकृत नं० 4155/1, दिनांक 13-2-79 रजिस्ट्री अधिकारी  
अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्राप्तुक (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 4-9-1979

मोहर :

प्रकाश प्राइंट दी० १८० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एएसआर०/७९-८०/१६१—ग्रातः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के प्रधीन समझ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक डबल स्टोरी मकान धारीवाल, में स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख  
जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पलह  
प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्रिय में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी याय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अस्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त।—

1. श्री अमृतदेव पुन्न राम सरन दास  
धारीवाल, त० गुरदासपुर। (अन्तरक)

2. श्री देवी सरन पुन्न जगदीश राज धारीवाल,  
त० गुरदासपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है यदि कोई किरायेवार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में एच्चि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह नुचित बाधा द्वारा पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
निय० कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति का प्रत्येक हृ संबंध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रतियाम या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर मूल्य  
को नामील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी अधिक  
जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पर्याय व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

प्रत्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अड्डायम 20-क में  
परिमापित है, वहों पर्याय होंगा, जो उस  
अड्डायम में दिया गया है।

### अनुसूची

एक डबल स्टोरी मकान ऐरिया 10 मरला धारीवाल त०  
गुरदासपुर में है और रजिस्ट्रीकृत न० 6670, दिनांक 28-1-79  
रजिस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में है।

एम० एल० महाजन  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी टो. एन० एस०—

आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निदेश सं० एएसआर०/79-80/162—यतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यवित्रियम्' कहा गया है), की भारा  
269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विस्ता उचित बाजार मूल्य  
25,000/- वा से अधिक है।

और जिसकी सं० एक प्लाट बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है  
(और इस उत्तरावधि अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
व्यवित्रियम् 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 79  
की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के सिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का अनुद्धृत प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षितों) और  
प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
वर्ष पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
विवित में वास्तविक इप से उचित नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त व्यवित्रियम् के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे आयकर व्यवित्रियम्, 1922  
(1922 का 11) या उक्त व्यवित्रियम्, या बन-  
कर व्यवित्रियम्, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथं प्रत्यक्षितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्याप्त उक्त व्यवित्रियम् की भारा 269 वा के अनु-  
सरण में, ये, उक्त व्यवित्रियम् की भारा 269 वा की उपचारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता—

1. श्रीमती पुष्पाजती विधवा, दुर्गा दास  
कैन्ट, अमृतसर। (अन्तरक)
2. साईकिलोजीशन हैल्प सेन्टर,  
बटाला रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 है यदि कोई किरायेदार होते हैं।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकारी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उस संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी प्रावेदः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर मूलना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उसके स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यवित्रियम् के प्रत्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रत्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट का टुकड़ा, जोकि 1082 गज और रजिस्ट्रीकृत  
नं० 3712/1, दिनांक 9-1-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर  
शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 4-9-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निवेश सं. ए० एस० आर०/79-80/163—अतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट जोकि बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्री धर्मपाल पुल बुर्गा दास अमृतसर, 15 कैट्ट, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. साईकिलोजीशन हैल्प सेन्टर  
बटाला रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो सो।  
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दुकड़ा जोकि 1082 स्वायर गज बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है और रजिस्ट्रीकृत नं० 3711/1, दिनांक 9-1-79 और रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सभी प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-9-79

मोहूर :

प्रायकर धाई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा  
269ग (1) के प्रधीन सूचना  
पारंपर राज्यकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निवेश सं० ए०ए०आर०/७९-८०/१६४—यतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की आदा  
269-वा के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० एक प्लाट सुलतान सिहौ, अमृतसर में स्थित है  
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी, 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथात् उक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पक्ष्मद्वय प्रतिपत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
सिए तर्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी छन या अन्य आस्तिवौं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा एक नहीं किया  
बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

आः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269ग की उपचारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्जातः—

1. स० हरजीत सिहौ पुत्र गुरचरन सिहौ  
मकान नं० 6 तेज नगर, सुलतान सिहौ रोड,  
अमृतसर। (अन्तरक)
2. स० अमरजीत सिहौ सुपुत्र प्रीतम सिहौ  
मकान नं० 2392/5, चौक माना सिहौ, अमृतसर।  
(अन्तरिक्षीय)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 पर और कोई किरायेदार हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति, इसमें सुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई सांख्यिकीय :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभ्रष्ट है, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रयोग  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लाट क्षेत्रफल 785 वर्ग गज सुलतान सिहौ रोड,  
अमृतसर में स्थित है जैसा कि सैल डीड नं० 3762/I, दिनांक  
11/12-1-79 आफ रजिस्ट्रार अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० अमृतसर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979  
मोहर :

प्रकल्प भाई० दी० पम० एस०—  
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना  
भारत वरकार  
कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निदेश सं० १० एस० आर०/79-80/165—यतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,  
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व०  
से अधिक है

और जिसकी सं० १० एक प्लाट सुलतान सिंह रोड अमृतसर में स्थित है  
(और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्री हाँ अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से  
प्रक्षिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों)  
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तर से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक कारण से क्षणित नहीं  
किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रभाव कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या घन्य साहितियों  
को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रह्म-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अस्तारनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के उपरबढ़ में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपबारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत :—

1. श्री अमरसिंह मस्त हकीम पुत्र श्रावा सिंह  
चौक बाबा पहाड़ी बाला, और ज्ञानी दलीप सिंह पुत्र  
रोल सिंह, गली लनगर बाली, अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. स० हरभजन सिंह, गुरुदेव सिंह, राम सिंह, सुखपाल सिंह  
और सुरजीत सिंह पुत्र पूरन सिंह  
मकान नं० 4925/37, गली नं० 3, सेखनपुरा।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० २ पर और कोई किरायेदार है।  
(वह अवित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई और व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह अवित जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवितियों पर सूचना  
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितियों में जे  
किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### पनुसूची

एक प्लाट रकवा 656 वर्ग गज जो कपूर नगर,  
सुलतान विन्द अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड सेल डीड  
नं० 3838/I, दिनांक 18-1-79 ऑफ रजिस्ट्री अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर  
तारीख : 4-9-1979  
मोहर :

प्रखण्ड बाई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/७९-८०/१६०—ग्रतः मुझे  
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान पटेल चौक, अमृतसर है तथा  
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पक्ष्य है प्रतिशत अधिक है और ग्रस्तरक  
(ग्रस्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सम-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
के लिए;

जब: अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण  
में, मेरे उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपाधान (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्रो सन्तराम पुत्र रत्न चन्द्र,  
शास्त्री मार्केट, अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. श्रोमती शान्ती देवी, पल्ली स्व० बाबू लाल, बाग  
रामानन्द गली नं० 2, अमृतसर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में हचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैध  
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
वारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**रजिस्ट्रीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-व में परिचालित  
हैं, वही प्रयोग जो उस अन्याय में दिया  
जाया है।

### अनुसूची

एक मकान पटेल चौक, अमृतसर रजिस्ट्री कुत नं०  
4028, दिनांक 31-1-79 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में  
वर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 10-9-1979

मोहर:

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269 व (1) के प्रश्नीय सूचना

भारत ब्रह्मार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मितम्बर, 1979

निदेश सं० .....—अतः मुझे  
एम० एल० महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'दक्षत प्रधिनियम' कहा जाता है),  
की बारा 269-व के अद्वौल सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास  
करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, विवाहा उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान पटेल चौक अमृतसर है तथा जो  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और जो  
पूर्ण स्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 5-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से  
उच्चके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह  
प्रतिक्रिया से अधिक है, और यह कि प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा  
वादा जाता प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य के उचित अन्तरक्र  
निवित में वास्तविक क्षमता के लिए किया गया है :—

(क) प्रकाशन से हुई किसी प्राव की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम, के प्रश्नीय कर देने के अन्तरक के वायिक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राव या किसी अन्य या अन्य प्रास्तिकों  
को जिन्हे मार्तीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, वा ब्रह्म-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रश्नोक्तावं अनुसूचित द्वारा प्रकट महों किया  
जाय या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

वहाँ, प्रव उक्त प्रधिनियम की बारा 269 के अनुसरण  
में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 व की उपचारा (1) के  
अद्वौल निम्नलिखित प्रधिकारी, भारत :—

6—286NI/79

1. श्री सन्त राम पुत्र श्री रत्न चन्द, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शांति देवी पत्नी बाबू राम, श्रीमती कमलादेवी  
पत्नी श्री रमेश चन्द, मकान नं० 192/IV2,  
पटेल, चौक, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जंहा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार होतो।  
वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए  
कार्यालयांक रखता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्पाक्षर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया  
है।

प्रमुख

एक मकान पटेल, चौक अमृतसर में रजिस्ट्रीकृत नं०  
4079, दिनांक 5-2-79 में रजिस्ट्रो अधिकारी अमृतसर शहर  
में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, अमृतसर

तारीख : 10-9-79

मोहर :

प्र० प्र० प्र० ए० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निवेश सं० ए० ए० आर०/79-80/168—प्रसः मुझे  
ए० ए० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है  
कि द्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है।

और जिसकी सं० एक मकान एक प्लाट नं० 144, चारी, पिंड  
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपा-  
वद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 6-2-79  
को पूर्णोक्त प्रस्तुति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टव्यान प्रति-  
कल के लिये अन्वरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का  
कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्टव्यान प्रतिकल से, ऐसे दृष्टव्यान प्रतिकल का वच्च अतिक्रम  
प्रविष्ट है और घटारक (अन्तरकों) और अन्वरिती  
(अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तथा पाया जया  
इतिहास, विभागित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में  
वापरित भए से कठिन। नीचे किया पाया गया है :—

(a) अन्तरण से हुई किसी धारा की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी धारा या किसी भूत या प्रत्यय प्राप्तियों द्वा-  
रा जिन्हें भारतीय धारकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल  
अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिये या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रसः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुवरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपाधा (1)  
के अधीन विभागित अधिकारी, प्रवात :

1. श्री मान सिंह पुल श्री प्रतार सिंह  
चौक बाजा बीप सिंह गली, पंजाब, अमृतसर ।  
(अन्तरिती)

2. श्रीमती गौरी कौर पत्नी सरबीरा सिंह जसवन्त कौर  
पत्नी गंगा सिंह आमारी श्री गुरु रामदास सराय,  
अमृतसर ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार होता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हवार रखता होता है तो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रबोहस्ताकारी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना बारे करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अवैत के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या अन्तर्वर्षीय अविकल्पों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रबोहस्ताकारी बाद में बनाया होती हो, के भीतर पूर्णोक्त  
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्पूर्णीकरण**——इसमें प्रबुक्त वस्त्रों और पर्वों का, या उक्त प्रति-  
नियम के प्रवाप 20-क में वरिचारित है,  
जहाँ पर्यंत होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है

अनुसूची

एक मकान एक प्लाट नं० 144 सामने चारी पिंड,  
भाजादो अमृतसर में रजिस्ट्रोकृत नं० 4095 तारीख 6-2-79  
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

ए० ए० महाजन

सभाम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 12-9-79

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एम० इस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

263(1) के प्रधीन मूल्यना

भारा सरकार

कार्यालय, महायकर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 14 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एएसआर०/७९-८०/१६९—आतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 263(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव दाग त० अजनाला है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूनी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोर्कारी प्राधिकारी अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक जनवरी, 79 को पूर्णकृत संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुख्य विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विवित में बाल्यविकास कर से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण के ही किसी बाद की वस्तु उक्त प्रधिनियम, के अनुसार कर देने के अन्वारक कावित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छठ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानुसार प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया बा या किया जाना आहिए था, उसमें मुविद्धा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 263-ग के प्रमुखरूप में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपशारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधीनों, अधीन :—

1. महन्त माधोदास, चेला रामदास,  
गांव दाग त० अजनाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुख्तार सिंह जसवन्त सिंह पुत्रगण दलीप सिंह  
गांव बेरोकी, त० अजनाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी व जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूला बारे हरके द्वारा इसके लिए सार्वानुषित करता हूँ।

उक्त संगति के अन्वेन के मंदिर में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में उल्लिङ्क की तारीख में 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अक्षितां पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि या दो में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत अक्षितां में में किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा गए होंगे।

**परिचय :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूनी**

कृषि भूमि 66 कनाल, 12 मुरला, गांव दाग, तहसील अजनाला, रजिस्ट्राक्त नं० 4112 जैसाकि रजिस्ट्रेशन प्राधिकारी अजनाला में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-9-1979

मोहर :

प्रकल्प आई० डी० एन०एच०—

आयकर व्याधिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा

269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निदेश सं० एएमआर०/79-80/170—अतः, मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269ए  
के प्रधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विवास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव डंग, त० अजनाला जिला  
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी  
के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के प्रधीन जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
वायिक में कमी करने या सस्ते बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें शास्तीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269ए के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम, की बारा 269ए की उपचारा (1)  
के जब्तीन निम्नलिखित अभितयों, अन्तर :—

1. महन्त मधोदास खेला राम दास,  
गांव डंग, त० अजनाला, जिला अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. श्री जगतार सिंह माझा सिंह, पुन गण दलीप सिंह  
तहसील अजनाला।  
(अन्तरिती)
3. जेसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिकारी में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में १८८१-८२  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी घावेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवृत्ति या तत्सम्बन्धी अभितयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, यो भी  
प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अभितयों में से किसी अभित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी बाद अभित द्वारा, बलोदस्ताकारी के पात  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रकृत अन्तर्गत प्रदर्शन का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परि-  
धानित है, वही पर्व होना, जो उस अन्याय  
में दिया जाया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 66 कनाल 13 मरला गांव डंग, तह० अजनाला  
रजिस्ट्रीकृत नं० 4113 रजिस्ट्री अधिकारी अजनाला में है।

एम० एल० महाजन,  
सकाम प्राप्तिकारी,  
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14 सितम्बर, 1979  
मोहर :

प्रत्येक वर्ष ३० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेंट रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

निवेश सं० ए० एस० आर०/79-80/171—उक्त : मुझे  
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 व  
के अधीन सकाम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इपए से अधिक है

और जिसकों सं० कृषि भूमि गांव नसार, त० अजनाला जिला  
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
लाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का व्यक्ति बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देव के प्रस्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रोजेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी—

1. श्रीमती पाली पुनी ईश्वर सिंह  
गांव नसार, तह ० अजनाला जिला अमृतसर) ।  
(अन्तरक)
2. श्री मुखेदेव सिंह, हरबंस सिंह, प्यारा सिंह पुढ़गण  
सगारा सिंह गांव, नसार तह ० अजनाला ।  
(अन्तरिती)

3. जैहा कि नं० २ में है यदि कोई किरायेवार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताकारी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त हो जाए, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मूल्यांकन

कृषि भूमि 70 कनाल, 10 मरला, गांव नसार, तह ०  
अजनाला रजिस्ट्रीकूट नं० 3750 दिनांक 1-1-79 रजिस्ट्री  
अधिकारी अजनाला में है।

एम० एल० महाजन

सकाम प्राधीकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, अमृतसर

तारीख : 14-9-197

मोहर :

प्रका प्राईटो० ए० ए० -----  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर  
अमृतसर, विनांक 14 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० ए० ए० आर०/७९-८०/१७२—अतः मुझे  
ए० ए० ए० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्वावर समर्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
एप से प्रधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव राजा सासी तह० अजनाला  
जिला अमृतसर है तथा जो अजनाला में स्थित है (और इससे  
उपारद्वारा अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का  
प्रत्यक्ष प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
वह पावा या प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निवित में वास्तविक का से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
या या किया जाना चाहिए था, लिखाने में  
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्ननिवित अधिकारी, अवृत्त :—

1. श्री गोपाल सिंह गोपनाम पुत्र भेजर हरिन्दर सिंह  
राजा सासी, तह० अजनाला। (अन्तरक)
2. श्रीमती मोहन कौर प्रीत मोहन कौर, दीप मोहन कौर  
प्रनिल मोहन कौर, पुत्री सप्तपाल सिंह,  
राजा सासी। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के  
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस प्रवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध होने  
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 132 कनाल 2 मरला, गांव राजा सासी,  
रजिस्ट्रीकृत नं० 3959, विनांक 18-1-79 रजिस्ट्री अधिकारी  
अजनाला में है।

ए० ए० महाजन  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14-9-79

मोहर :

प्रध्यं प्राई० टो० एन० एस०—————

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

निवेश सं० ए० एस० आर०/79 -80/173—अतः मुझे  
एम० एल० महाजन

व्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-प के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
प० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव, छ्याला तह० अजनाला जिला  
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपा-  
वडा अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी, 1979  
को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह  
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों)  
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(म) प्रत्यक्षित से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के बायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(न) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अम्य वासितियों  
को, जिन्हे व्यायकर प्रधिनियम, 1922  
- 1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
व्यायकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, उसमें में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प के अनुसर  
में, जिस प्रधिनियम की घारा 269-प की उप-घारा (1)  
के अवीम निम्नलिखित अवित्यों अवैत:—

1. श्रो समशेर सिंह पुत्र भगवान सिंह  
गांव छ्याला तह० अजनाला, अमृतसर।  
(प्रत्यक्षित)

2. श्रो अमर सिंह पुत्र मोहन सिंह  
गांव, छ्याला,  
(प्रत्यक्षित)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार होता है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुधि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तर संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयित करता है।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी व्याख्या:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अफिसियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होता, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 42 कनाल 6 मरला गांव छ्याला, अबू तह०  
अजनाला, रजिस्ट्रीकृत नं० 4045, दिनांक 25-1-79 रजिस्ट्री  
अधिकारी अजनाला में है।

एम० एल० महाजन  
लखन ब्राह्मिकारी,  
सहायक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 14-9-1979  
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी ० एन० एस०---  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ए (1) के प्रभाव सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निवेश सं० ए० एस० आर०/79-80/174---प्रत : मुझे  
एम० एस० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा जाता है), की भारा 269-ए  
के प्रभाव सख्त प्राविकारी को, वह विवाद करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपरित बाजार भूम्य 25,000/-  
रु० के बरिक है।

और जिसकी सं० एक घर गोपाल नगर, अमृतसर है तथा जो  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के प्रभावीन तारीख जनवरी 1979  
की पूर्वोत्तर बन्धित के उपरित बाजार भूम्य से करने के वृत्तमान  
प्रतिक्रिया के लिए व्यक्ति की पही है और मुझे वह विवाद करने  
का कारण है कि वयात्पूर्वोत्तर बन्धित का उपरित बाजार भूम्य,  
इसके वृत्तमान प्रतिक्रिया से, ऐसे वृत्तमान प्रतिक्रिया का  
एवह बन्धित से प्रधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों)  
और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरक के लिए  
इव बाजा बदा ब्रिफिंग, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से संक्षिप्त तरीके का गया है :—

(क) प्रत्यरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रभाव कर देने के प्रत्यरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) देसी किसी पाय या किसी बदा या अन्य आदिकों  
को, जिसमें भारतीय पाय-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनालं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

बदा बदा उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए के अनुचरण  
में, वे उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए की उचावारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णितः—

1. श्रीमती विरसतावती पत्नी स्व० हीरालाल निवासी  
मकान नं० 2253 लम्बी गली कटरा दूसा अमृतसर  
(प्रत्यरक)

2. कुलदीप राज सुपुत्र अमर नाथ  
मकान नं० 691/13, रानी बाजार, शरीफ पूरा,  
अमृतसर ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार होता है।  
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोत्तर तन्त्रित के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के समर्थन में कोई भी गावेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की बहिर्भूत सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की बहिर्भूत, जो भी  
बहिर्भूत बदा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित रूप से किए जा सकें ।

**प्रधिकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त  
प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचालित  
हैं, वही वर्तं होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

एक घर नं० 3 जो कि गोपाल नगर, अमृतसर में है।  
जैसा कि डीड नं० 3754/I, दिनांक 12-1-79 रजिस्ट्री प्रधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन  
सभम प्राविकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 18-9-79

मोहर:

प्रेरूप श्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निदेश सं० १० एस० आर०/79-८०/१७५—यतः मुझे  
एम० एल० महाजन

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है। और जिसकी सं० १० एक दुकान कटरा अहलुवालिया, अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरेकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरुप के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के दुर्विधाकारी की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः:—

7-286 GI/79

1. श्रीमती कुलबन्त कौर पत्नि गुरदियाल सिंह  
शाम नगर, अमृतसर ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलजीत कौर पत्नी सरबजीत सिंह  
एल० एस० बी० पी० एस० सी० बेरका ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० २ ऊपर है और कोई किरायेदार हो तो ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक दुकान जो कि मोती बाजार कटरा अहलुवालिया जैसा कि डीड नं० 3656/I दिनांक 5-1-79 अंक रजिस्ट्रिंग अथार्टी अमृतसर में वर्ज है ।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन् एस्—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 196/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के प्रधीन सकाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रतिक है और जिसकी सं० 5-8-323, 323/1 ता० 5-9-79 है, जो ऊमाषाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पमद्द प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित भाँति किया गया है:—

(क) घन्तरण से हुई किसी मात्र की बावजूद, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वह, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के घन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथात् :—

(1) श्री सर्वेश्वर राऊ, (2) के० तीरमलेश्वर राऊ, (3) के० ऊमापती (4) के० अनील, (5) के० रघुवीर, (6) के० सुदीर, (7) के० रामेश्वरम, (8) के० लश्मी देवी पती सत्यानारायण रेडी घर नं० 10-2-521 अस्सीमनगर। (अन्तरक)

(2) सर्वेश्वरी (1) महमद अब्दुल रहीम, (2) एम० ए० नशीम जकी, (4) एम० ए० सलीम, (4) एम० ए० मुनीम, (5) एम० ए० कलीम, (6) एम० ए० मुकीम घर नं० 21-3-406 महबूबकी मेनदी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी घरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्याद्वियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पा लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही पर्व होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर नं० 5-8-323, 323/1, 323/2, 323/3, 323/4, 323/5 कहाजाता है "वैनकट भवन" ऊमा बाग नामपली हैदराबाद राजस्ट्री दस्तावेज नं० 173/79 उप राजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,  
सकाम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीखः 5-9-1979

मोहरः

प्रझप आई० टी० एन० एम०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 सितम्बर, 1979

सं० आरा० ए० सी० नं० 197/79-80—यतः मुझ के०  
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-107 स्टेशन रोड है जो नामपली  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन जनवरी, 1979 की  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अस्तरकों)  
और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्थ आस्तियों  
को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनावधि प्रत्यक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रलीभाई पिता वीरजी घर नं० 223  
करीमाबाद कौपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी चौसगली  
लेन, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री महमद अब्दिनुर रहमान (2) महमद अब्दुल  
रहीम घर नं० 10-6-180 सैयद अली धब्बता  
हैदराबाद (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अस्थ अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के भी परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-107 स्टेशन रास्ता नामपली हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 458/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-9-1979

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एम० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 198/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्रम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवर्ति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वा० से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-8-107 नामपत्री है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इस से उपायद्वा० अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के रीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी छन या अन्य अधिनियमों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकृतों, अर्थात्:—

(1) श्री गली भाई पीता वीरजी घर नं० 223 करीमाबाद कवापरेटु हौजीनग सोसैटी श्रीरामली लेन हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती बशीरुनीसा पती स्वर्गीय यहमद अब्दुली रानी (2) कुमारी सादत जाहान घर ने 20-6-180 सेयबगली धबुता हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के प्रवर्तन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकते।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस प्रयाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-107 का विभाग है नामपत्री स्टेशन रास्ता हैदराबाद में है रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 459/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० के० वीर,  
सक्रम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-9-1979

मोहर :

प्रधान प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
268-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 199/79-80—यतः मुझे  
के० के० बीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-प  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
एप्रे से प्रधिक है

और जिसकी सं० 10-1-128 मसाब टेक है, जो हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के प्रधीन जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी भाय या किसी धन या घन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ प्रस्तारी द्वारा ब्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिनने में  
सुविधा के लिए;

यह: यदि, उक्त प्रधिनियम की धारा 268-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 268-प की उपधारा (1)  
के प्रधीन विन्दियां व्यक्तियों, यथात्:—

(1) श्रीमती जयाबुलीसा बेगम पती स्वर्गीय सैयद  
बशीरीदीन अहमद 10-1-127/2 मसाब टेक  
हैदराबाद (ग्रन्तकर)

(2) श्री डॉक्टर सैयद अब्दाब पती डॉक्टर महमद  
अजीज सुलतानीया 10-1-128 मासाब टेक  
हैदराबाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के  
लिए कार्यकालिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भजन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरां व्यक्तियों वर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**राज्योऽप्तरणः**—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित  
हैं, वही यथें होगा जो उस प्रध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

यह ने 10-1-128 मसाब टेक हैदराबाद में है रजीस्ट्री  
दस्तावेज ने 280/79 उप रजीस्ट्री कार्यालय कैरताबाद  
में।

के० के० बीर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 5-9-1979

मोहर:

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 200/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11 सरवे नं० 56, 58 है जो  
बेगमपेट, हैदराबाद स्थित है (और डस्से उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के  
कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

(1) श्रीमती अडसुमीली रमादेवी पति ए० कृष्णमूर्ति  
घर ने ३-ए० येनट्रानजमेनट रास्ता मारेडपली  
सीकीन्द्राबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सीदोकी तबसुम पति मेजर सेयद मसीमीदीन  
10-3-304/12 हुमायूनगर हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रश्निवाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रतिनियम के प्रधाय 20-ग में परिभाषित हैं, वही  
मर्य होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11 वीस्टर्न 680 बर्ग यार्ड बेगमपेट हैदराबाद  
में है। सरवे नं० 56 ता० 58 तक रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 34/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में हुआ है।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 5-9-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं. आरो. य० सी. न० 201/79-80—यतः मुझे, के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ग  
के अधीन सभी सम्पत्ति प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 24/12 (वसनत सेंटर) है, जो मनजेयोल  
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मनजेयोल में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान  
प्रतिशत के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने वाले गरण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिकर, विभिन्निकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विधियाँ में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से दुई फिसी प्राय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दारिद्र्य में कमों करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा फिसी प्राय या फिसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिसमें भारतीय आशकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

- (1) श्री मनीलाल टेनकरसन करसनजी मनजेयोल  
लक्ष्मीपेट-तालूक अदीलाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री मुमत्याला शनकरर्या पिता नरसंद्या मनजेयोल  
तालूक अदीलाबाद जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**उपदोषरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभासित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सीनीमा थेटर गोडैन लीसाका नाम है "वसनत टाकिस"  
घर नं. 24/12 मनजेयोल लक्ष्मीपेट तालूक अदीलाबाद  
रजीस्ट्री दस्तबेज नं. 40/79 ऊपर रजीस्ट्री कार्यालय मनजेयोल।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्रकाश पाईंटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० आर० य० सी० न० 202/79-80—यतः मुझे,  
के० के० थीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269व के अधीन समम प्राधिकारी को यह विषयास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी न० 9 घर न० है, जो 22-7-269/9  
दीवानदेवडी स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृ॒ यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रमध प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती  
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण मिलित में वास्तविक  
रूप व क्षिति मही किया गया है:—

(क) प्रत्यरण से हुई किसी आय को बाबन उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के  
विषय में कमी करने या उसके बचने में मुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या पन्य आविष्यों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुविधा के लिए;

अम: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के प्रनृसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपकारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अविष्यों, वर्णातः—

- (1) मैसर्से शा बुलडर्स 22-7-269/3 दीवानदेवडी  
हैदराबाद।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती कुलमुमबी पति मुहमद हमुम 22-6-265/10  
कुजेनसीम हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना मारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी अविष्यों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त अविष्यों में से  
किसी अविष्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवय  
किसी अन्य अविष्य द्वारा अव्वोहस्ताक्षरी के पास  
स्थिति में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### मलगी

मलगी न० 9 घर न० 22-7-269/9 दीवानदेवडी पतरगढ़ी  
हैदराबाद वीर्सन 250 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज न० 43/  
79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में।

के० के० थीर,  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्रकल्प ग्राइंड ई० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० आर० य० सी० न० 203/70-80—गत: मुझे  
के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व  
के अधीन सकान प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जीरायती जमीन है, जो सरवे न० 253  
गुनतकल स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गुनतकल में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन जनवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
पौर, अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी याय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; योर/या

(ख) ऐसा किसी प्राप्त ता किसी वन या प्रन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय याय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
कर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था ता किया जाना चाहिए था, उपरोक्त  
में सुविधा के लिए;

गत: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के प्रत्यक्षरण  
में, मेरे, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपावदा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः:—

8-286GI/79

- (1) श्री ओ० कुमारा स्वामी, (2) श्री० रामदास  
गुनतकल अनंतपुर। (अन्तरक)  
(2) श्री के० ओबुलरेडी गुनतकल अनंतपुर।  
(अन्तरिती)

ले यह मूला जारी भरके पूर्णतः सम्पत्ति के अंतर्गत के  
लिए आवंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बद्ध रूपों में शामिल होने वाले:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
निम्नलिखित में लिए आ सकेंगे।

**निम्नलिखित:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्त्त होता, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जीरायती जमीन 7.88 एकर्स सरवे न० 253 गुनतकल  
अनंतपुर रजिस्ट्री दस्तावेज 405/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय  
गुनतकल में।

के० के० वीर,  
सभ्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 11-9-1979

मोहर:

प्रकल्प भाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 204/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।  
और जिसकी सं० जीरायती जमीन है, जो सर्वे नं० 829  
और 843 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सीमापली गुनतकल में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूथमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके बूथमान प्रतिफल से ऐसे बूथमान प्रतिफल का पहलू  
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तारक (प्रस्तरकों) और अम्भरिती  
(अम्भरितियों) के बीच ऐसे अम्भरण के लिए तथा पाया यथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्भरण विविध में  
बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया भया है :—

(क) अम्भरण से कुई किसी प्राय को बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
वीर/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
आना चाहिए था, हिपासे में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)  
माझीन, विनाशित अधिकारी, यहाँतः—

(1) श्री के० सेतुरामा शास्त्री, (2) के० सदासीवा  
शास्त्री, जीनापुर, अनन्तपूर (अन्तरक)

(2) श्री काकरला रामचन्द्रा नायडु पीता रत्नगया  
सीमनापली गुनतकल अनन्तपूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के  
निए कार्यवादियाँ छरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के संबंध में कोई भी प्रावेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी  
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रमुख सब्दों घौर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही पर्यंत होता, जो उस अध्याय में  
किया गया है।

### प्रमुखों

जीरायती जमीन सर्वे नं० 829 और 843, 9.37 एकड़  
गुनतकल अनन्तपूर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय गुनतकल में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 205/78-79— अतः मुझे,  
के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जीरायती जमीन नं० 829 एवं 843 हैं,  
जो गुनतकल में स्थित हैं (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गुनतकल-79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पक्षद्वय प्रतिशत से अधिक है  
मोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की  
जपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन:-

(1) श्री के० सेतुरामा शास्त्री, (2) के० सदासीदा  
शास्त्री पिता के० पदमानाबद्या कुटी अनतापुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री काकरला रनगय्या पिता के० कीवड्ड्या  
सुमनपली अनतापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अबंन के संबंध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी  
अवित्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी  
अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**उत्तरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुत्तरण

जीरायती जमीन 9.37 एकर सरदे नं० 829 और  
843 सुमनपली गाऊ गुनतकल अनतापुर रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 8/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय गुनतकल में ।

के० के० वीर,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 206/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 1-1-156/157 है, जो एस० पी० रास्ता  
सीकीन्द्राबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से छपित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम की बाबन उक्त, प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें, भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपष्ठारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

(1) श्रीमती अवाबाई बेहरम चेनाई (2) गोशनमीनू  
पटेल, (3) पेरीज बहरम चेनाई (4) जहानगीर  
बेहरम चेनाई घर नं० 64-1-1-156/157 सरदार  
पटेल रास्ता सीकीन्द्राबाद (अन्तरक)

(2) श्री वै० शंकर राऊ, घर नं० 7-1-406 मारुती  
वीदी सीकीन्द्राबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाजु के घर खुली जमीन वीस्टर्न 567 वर्ग यार्ड घर  
नं० 1-1-156/157 सरदार पटेल रास्ता सीकीन्द्राबाद में  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 166/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय  
हैदराबाद।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० आर० य० सी० नं० 207/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा 269-प  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पलाट जमीन है, जो आदर्शनगर हैदराबाद  
स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्णकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधीनतः—

- (1) श्री जी० जगनादम घर नं०-१ कटिज-लालापेट  
सीकीन्द्राबाद। (अन्तरक)  
(2) श्री ओम प्रकाश तीव्रवाला (2) श्रीमती  
परमेश्वरी देवी घर नं० 5-9-22/41-बी० आदर्श-  
नगर हैदराबाद। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत  
अधिकारीयों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अधिकारीय द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20 के परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सुली जमीन 452 वर्ग याडे आदर्शनगर हैदराबाद में  
रजिस्ट्री दस्तावेज में 223/79 उप-रजिस्ट्री-कार्यालय  
हैदराबाद में है।

के० के० वीर,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीखः 11-9-1979  
मोहरः

## प्रकल्प प्राईंटी० एस० एस०—

ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 सितम्बर, 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 208/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 24 घर नं० 4-1-738 है, जो मीजम-जाई मारकीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त ग्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रामियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती डी० शकुनतला देवी पती डी० नरसीम्या रेडी घर नं० 4-1-738 तुलजागुडा हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० सकुबायम्या पती बालप्पा 4-1-738 (I मनजीला) घर नं० 24 वसयरती घर मीजम-जाई मारकीट हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये उत्तद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि ताप्ति व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोध्यस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 24 (I मनजीला) घर नं० 4-1-738 तुलजाग्ना मोजमजाई मारकीट हैदराबाद रजीस्ट्री दस्तावे नं० 332179 ऊप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,  
सकाम अधिकारी,  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्रतः, अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारमें, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवादः—

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्राप्ति भाई० टी० एन० एस०—————

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निदेश संग्राम २० य० सी० नं० २०९/७९-८०—यतः मुझे  
के० के० वीर

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्वावर संतुति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०  
से अधिक है

ओर जिमकी सं० 1-7-4-ता० ०-१९ एस० वी० है, जो रास्ता  
सीकीन्द्राबाद में स्थित है (ओर इससे उपान्दू अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रक्टर अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रक्टर अधिनियम, 1908<sup>१</sup>  
(1908 का 16) के प्रधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूई किसी ग्राम को बाबत उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रंथ, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपबारा (1)  
के प्रधीन निम्ननिवित अवित्यों, अर्थात् :—

- (1) श्री काजा मैयादुला कान वीता स्वर्गय काजा-  
असदुल्ला कान मीनीका इस्टेट बलपरपी को ये-  
बतुर (अन्तरक)
- (2) श्री तीरुमलाई ट्रेडर्स जीसका पाटनर लशमी-  
नारायण अगरवाल घर ए० ३-६-१०८ हीमायत-  
नगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह मूला जारी नहीं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बल्प में कोई भी ग्रामेष :—

- (क) इस मूला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर  
मूला की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्यों में से हिस्सों अवित्य द्वारा;
- (ख) इस मूला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
हिस्सों विवर द्वारा, प्रश्नावाचकी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

इष्टकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### प्रनुसूची

घर और बड़ीर के मकान घर ने 1-7-4 ता० 1-7-19  
सरदारपटेल रास्ता सीकीन्द्राबाद 9382 वर्ग याडे रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 379/79 ऊ रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-९-1979

मोहर :

पंचम प्राइ. टी. एन० एन०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० प्रार० य० सी० न० 210/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सभी प्रायिकारी को, यद् विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10-3-313/3 है, जो मासाबटेंक हैदराबाद  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जनवरी, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यद् विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्ड्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
प्राप्तिक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;  
योर/या

(1) श्रीमती जी० बरालशम्भ्या पती जगनादाशस्त्री  
10-3-313/3 मासाबटेनक हैदराबाद  
(अन्तरक)

(2) डॉक्टर टी० कामेशवरी सराय्या पती डॉक्टर  
सराय्या एफ०-१/वी०-१४ पीजयानामर कालोनी  
हैदराबाद  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर  
के लिए कार्यवाहियां करता है।

इस प्रतिक्रिया के अन्तर्वर्त में जो भी आवश्यक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसमात्री अविलम्बे पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविलम्बे में स किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़  
किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रधोइस्ट्राक्टरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**लक्ष्यदृष्टिगत:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उक्त अधि-  
नियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
पर्द होंगा जो उस ग्रन्थाय में विद्या गया है।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी पाय या किसी घन या अन्य घासियों  
को जिन्हें प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

घर नं० 10-3-313/3 मासाबटेनक हैदराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 57/79 ऊरं रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 11-9-1979  
मोहर:

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रभुसरण  
में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)  
अधीन निम्नलिखित अविलम्बे, अवृत्त :—

प्रस्तुप प्राईंटी ८० एन० ८० --

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, अगस्तांक 17 सितम्बर, 1979

सं० आर० य० सी० न० 211/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'झक्कत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है।

और जिसकी सं॒ 6-३-२४८/३ है, जो बनजारा हील्स ने 1  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्की में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद से  
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जनवरी, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और प्रमत्तरिती  
(प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखात में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में  
कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रमत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, आय, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में,  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—286GT/79

- (1) श्रीमती अर्नासि पातीमा पती हसनीदीन हैमद,  
(2) हसनीदीन हैमद 22-1-957 अब्दीजबाद  
हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री जे० यासकर राऊ पिता नरमीणराऊ 3-5-  
170/1/4 नारायणगुडा हैदराबाद (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**अपव्यौकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-248/3 दो मनजीला घर रास्ता नं० 1  
बनजारा हील्स हैदराबाद रजीस्ट्री वस्ताविज ने 453/79 उप  
रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

सं० आर० ये० सो० नं० 212/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट ने 4- एवं० 5 है, जो वार्ड नं०  
3 बलाक नं० 6 हैदराबाद स्थित है (शौर इससे उपावद्ध  
अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ट  
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद से भारतीय रजिस्ट्रकरण  
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी

1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
वातिकल के लिए प्राप्तिक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)  
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या मन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या  
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट सही किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ष की  
उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्रीमतो कौमल्या शरमा पती एस० येल० शरमा,  
15-2-453 कोशल राजन हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीमतो सोमावानी पती सरदार अमरीत सीनग  
हैदराबाद (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्वाकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें पूर्व गढ़ों प्रोटों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रधाया 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाया में दिया  
गया है।

अनुसूची

कुली जमीन नं० 4 और 5 वार्ड नं० 3 और बलाक नं०  
6 मुरलोदर बाग बशीरवाग हैदराबाद में 374 वर्ग यार्ड  
रजिस्ट्रो दस्तावेज नं० 456/79 ऊपर रजिस्ट्रो कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० के० वीर,  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979  
मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

प्राप्ति प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 213/73-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से प्रधिक है

और जिसकी सं० 16-11-740/4/ए०/१ है, जो वाडी  
अनारम हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के  
बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
वृश्य से उक्त अस्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से  
कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से दुई किसी प्राय की बावत, उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; प्राप्ति

(घ) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घास्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रक, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269वा के अनु-  
सरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधाति :—

- (1) श्रीमती कन्माकाशन पति बीं रामसालकीसन
- (2) सुनील कीशन,
- (3) कुमारी पूरनीमा कीशन
- (4) अनील किशन 4-1-1240, कीम कोठी,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती लुमला रामालशमी करीमनगर जिला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी आप्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4;  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन भी अवधि, जो भी अवधि वा  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योदस्ताक्षरी के पाग  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वीमाणी घर कुली जमीन 550 वर्ग मीटर घर नं०  
16-11-740/4/एच /1 सरवे नं० 315/3 गडी अन्मारम  
गाँज हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 548/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर:

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 214/79-80—यतः  
मुझे के लिए वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269वा के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ए० से अधिक है

और जिसकी सं॒ जमीन 7.23 एकर्स है, जो गन्धीबौनी  
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तिवार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक्त (अन्तर्को) और प्रत्युरिता  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में आसुविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) बहसरण के हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के बाबिल भूमि  
करने या उससे बचने में दृष्टिधा के लिए। वीर/वा

(क) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन्न-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः प्रय, उक्त अधिनियम की भारा 269वा के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269वा की उपलब्ध  
(1) के व्यवीन निम्नलिखित अवलियों, अचातः:—

(1) श्री वेन्ना रेडी गरी पेड़ा ईश्वर रेडी, 6-2-966/  
10, केरडाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री वेन्ना रेडी गरी बालमोहनरेडी पिता सी०  
जोसेफ रेडी, कैरताबाद, 6-2-966/10, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस दूर्ना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अवलियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवलियों  
में से किसी अवित द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-  
दृद किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
दिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो डृष्ट  
अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया  
गया है।

अनुसूची

7 एकर्स 23-1/2 गुनठास जीरायती जमीन गली बोली  
के पास में हैदराबाद वेस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 148/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राईडी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निवेश सं० आर ए मी न० 215/79-80—यतः  
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 3-10-81/1 है, जो जमगाऊ वसगल ज़िला  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमसाऊ  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन जनवरी 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिकी  
(प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित वे  
वास्तविक कप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तुरण से ही किसी दाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/वा

(क्ष) ऐसी किसी दाय या किसी बत या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रत एवं अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिक्षीया प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के  
लिए ;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसार  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अवितयों, भवान् :—

(1) श्री (1) एस० अपथ्या, (2) एस० वेन्कटरत्नम  
(2) वी० पूरनाचन्द्र राऊ, (4) भासकर राऊ  
(5) मोहन राऊ जनगऊ वसगल ज़िला।  
(अन्तरक)

(2) श्री एस० अपथ्या, ई० ममसैन केबुल इन्डस्ट्रीज,  
लिमिटेड, जनसऊ वसगल ज़िला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाटेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवितयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
अवितयों में से किसी अवित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य अवित द्वारा, भवोद्वस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लॉट न० सी०-१ और कारकाना मकान घर न० 3-  
10-81/1 इन्डस्ट्रियल एस्टेट, जमगाऊ, वासगल ज़िला रजि-  
स्ट्री दस्तावेज नं 420/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय जमगाऊ,  
वासगल ज़िला में।

के० के० वीर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

प्रसूप आई० डी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 216/79-80—यतः  
मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुल जमीन नं० 144 है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्रूषु सूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचले में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन अधिकृतः—

(1) श्रीमती नारायणी बाई, (2) आशानन्द, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द पिता समुल, 1-8-229/10  
पी जी० रास्ता, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचनों की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षीकरण :**—इनमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन नं० 144, पेनडर गंस्टर रास्ता सिकन्दराबाद में विस्तीर्ण 565 वर्ग यार्ड सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 100/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बीर  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

प्रायोग भाई० टी० एम० एम०  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० य० सी० न० 217/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधानात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 28/बी-है, जो दीमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिकाल से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त मामलण निवित में वाहतुकि वा० में कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण में हुई किसी माय की वादत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रकार के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या फिसी धन पा० अन्य प्राप्तियों को विन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ५००जनाथ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः गब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्पात् :—

1. श्रीमती के० ज्योति रेडी पल्ली के० पानडु रनगारेडी 3-5-1089/9 नारायणगुडा हैदराबाद

(प्रन्तरक)

2. श्री एम० वामोदर रेडी 1-1-590 गांदीनगर हैदराबाद।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो फरके पूर्वोक्त समाप्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ फरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों से से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु कि सी प्रथा अवित्य द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ण होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन 350 वर्ग यार्ड प्लाट न० 28 भी० दीमलगुडी हवागानमट्टल रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 111/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 17-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 218/79-80—यतः  
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्वावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 5-4-150 है, जो रानीगंज  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पुर्णाहृष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
लग्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायद्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जामा चाहिए या छिपाने में  
मुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के  
अन्तरण में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की  
उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री प्रबोद बलवन्त राय बट 2. महिन्दर बलवन्त राय  
बट, 5-4-165 रानीगंज सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्री गम० मुद्रेणकुमार 14-9-833, जुमेरातबाजार  
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह मूलना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के पंचांग में कोई भी आवेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्म्बद्धी अवित्यों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से  
किसी अवित्न द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्यक्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अङ्गाय 20-क में परिमालित है, वही  
प्रयोग होगा, जो उम अङ्गाय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 5-4-150 महत्वानदी रास्ता रानीगंज  
सिकन्दराबाद वेस्टर्न 72-वर्ग याँड़ रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
63/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 17-9-79

मोहर:

प्रकृत्यार ३१० दी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 निवार 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 219/79-80—यतः  
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ममति जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिमकी सं० प्लाट 2-212/1/सी/1 है, जो दीमलगुडा में स्थित है (और इससे उपाखण अनुमूली में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। अंत मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी बत धा अना आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के मनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान:—

10-286GI/79

1. श्री अमरबीत अब्दुला इलीयास अमर 19-1-180  
इदबीली हैदराबाद
  2. एम० सीतलसोनरा 3-5-628 हैदराबाद
  - (3) अनकरमीनम (4) ममीहरसीनग
  - (5) बीजयमोगा (6) अरवीनदमीनम
  - (7) बलदेवमीनम हैदराबाद
- (अन्तरक)

2. श्री अनी० श्रादीनारायण 3-6-369/-९-  
हिमतनगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

जो यदि सूचना जारी करने पूर्वोक्त ममति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

इस सम्पत्ति के प्रबंधन के मंत्रालय में कोई भी प्राप्तेव:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ममति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास निवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पठों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही प्रबंध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट और जमीन वेस्टर्न 267 बर्ग यार्ड सरवे नं० 192 और घर नं० 1-2-212/1/सी/1 दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 212/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० के० वीर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 17-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निवेश सं० ये० सी० नं० 220/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
ऐ नि स्थावर यमति त्रिमुख उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1-2-212/1/सी०/1 है, जो रामनमहव  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुभूति में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 19, जनवरी 1979

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए  
सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात :—

1. श्री अमरबीत अब्दुल्ला आलास अमनु 1-1-189  
हैदराबाद
- (2) एम० सीतलसीरा (3) शेवकरसोनग  
(4) मनीहरसीनम (5) विजय सोनम  
(6) अरविन्द सीनम (7) यतदेव सोनम हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोजा पती आदीनारायण 3-6-369/1-9  
बनधाराहीलस हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लाट का वेस्टर्न 333 वर्ग यार्ड दीमलगुडा हैदराबाद में  
सर्वे नं० 192 घर नं० 1-2-212/1/सी०/1 रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 213/79-उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-9-1979  
मोहर:

प्रस्तुप शाई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के मध्येन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निवेद सं० 221/79-80—यतः मुझे के० के० वीर  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के मध्येन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
से अधिक है।

और जिसकी सं० 10-2-287/ है, जो ऐ० सी० गार्ड  
हैदराबाद स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 19 जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए घन्तवरित की गई है और यसे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत प्रधिक है, और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नानिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक  
रूप से नियम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय या बाबत उक्त  
प्रधिनियम के मध्येन कर देने के असरके  
शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या मन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा  
ष्टन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनालैं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के  
लिए;

वर्ता: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपलब्ध (1)  
के मध्येन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती तायेरा सईद पति सईद 10-2-287/ ऐ० सी० गार्ड हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. श्री पी० पी० प्रियास्वामी  
पिता पीरेतम चेटीयार 10-2-287/ ऐ० ए० सी० गार्ड  
हैदराबाद

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के  
सिए काबंधाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में जाई भी आवेदन :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में अपावृत होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी घन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्हाँकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

#### अनुसूची

धर का नं० 10-2-287/ऐ० सी० गार्ड हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 217/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० के० वीर  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० य० सी० न० 222/79-80—यतः  
मुझ के ० के० वीर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसको सं० 4-1-938/आर-14 और 15 है, जो तिलक  
रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन जनवरी 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1923  
(1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-  
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री मैसर्स श्रीकृष्ण कंस्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612  
हैदराबाद आबीद श्री कैलाश धीरन जी 8-2-626/6 हैदराबाद  
(2) राज कुमार धापल रास्ता हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. श्रीमती कुतुबुद्दीन, 4-1-938/आर 14-15 कृष्ण  
काम्पलैक्स तिलक रोड, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रय॑ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4-1-938/2-14 और 15 चार मनजिला  
कहा जाता है कृष्ण काम्पलैक्स तिलक रास्ता हैदराबाद में  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 479/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-79

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निदेश सं. ० य० सी० न० २२८/७९-८०—यतः मुझे के० के०  
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं. ० 6-3-1086/1 है, जो सीमाजोकुडा हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
19 जनवरी 1979

को अनुसूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की उक्त सूचत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिथे;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में मुविद्धा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की आरा 269-घ को उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अप्रिक्तियों, प्रतीत :—

(1) सैयद मुहम्मद अब्दोद हुसेन 6-3-1086 सीमाजोकुडा  
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीयौ. रामधेनवर राऊ 6-3-1089/बी-सीमाजोकुडा  
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यम में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि वा व  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्णस्तुत व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में  
विया गया है।

**अनुसूची**

घर का नं. ० 6-3-1086/1, ९०० वर्ग मीटर राज भवन  
रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं. २३४/१ उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० ये० सी०नं० 224/79-80—यतः मुझे  
के०के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति निपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरों से प्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 6-घर नं० 6-3-1111 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपागम्भ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दण्डान प्रतिकूल के लिए प्रतिकूल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इशामान प्रतिफल से ऐसे इशामान प्रतिफल का पद्धति त से प्रधिक है पौर प्रतिकूल (प्रतिकूलों) और गन्तव्यी (गन्तव्यरितीयों) के बीच ए अन्तरण के लिये तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उपेक्षण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से संबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई इसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी इसी आय या इनी धन या अन्य व्याप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, 11 अप्रैल 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् :—

(1) श्री वै-मल्लीकारजुना प्रसाद 6-3-1111 बेगमपेट

हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) डॉक्टर बलापरमेश्वरराज 3-4-875/2

बरकतपुरा हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो छठे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी व्यापेप :—

(अ) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का भवित्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की व्यवधि, जो भी व्यवधि वाले में समाप्त होती है, के मोतर पूर्णक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किया गया व्यक्ति द्वारा प्रांतिकरणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इनमें प्राप्त गम्भीर पदां तथा उन अधिकारीयों के विवरण 20-क में विवरित हैं, वहाँ अपेहोगा, जो उक्त अधिकारी में दिया गया है।

गनुसूची

प्लाट नं० 6-घर-नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद  
विस्टर्न 509 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 114/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय करताबाद में

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप धार्द० टी० एन० एम०—————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० ये० मी० नं० 225/79-80—यतः मुझे  
के० के० वी०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधोन नवन प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर भायति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
शपए में प्रधित है

और जिसकी सं० 8-3-1218/6 है, जो बोगमपेट हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधोन  
19 जनवरी 79

पूर्वोक्त भायति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यपान  
प्रतिकृत है तिए प्रत्यक्षित सौ गई है और मुझे यह विष्वास  
हरने 61 जारी है कि प्रायुक्त भायति ना उचित बाजार  
मूल्य, ताक इसपान प्रतिकृत से, तें दुष्यपान प्रतिकृत का  
पन्ह ह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और प्रत्यक्षितों (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रधोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्रोमतो जैवा परजाना पति महमद जवाद पास्की  
घर नं० 10-3-304/12 हिम्मतनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो आशा मैनन करोमुनीस्थ बेगम पति  
महमद अब्दुल मनान 11-5-132 रेडहोस्तम हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भायति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अवित्यों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि ताव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बति में हितबद्ध  
किमी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इस प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया  
गया है।

### अनुमूल्य

जमीन और घर नं० 6-3-1218/6/2 वैस्टन 225/  
वर्ग यार्ड ऊपानगर बोगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री वस्ताविज नं०  
98/79 उप रजिस्ट्रो कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वी०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

तित्रेश मं० आर० य० सो० नं० 226/79-80—यतः मुझे  
के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है।

और जिसकी सं० 6-3-1111-प्लाट बेगमपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपाखण अनुमूली में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकरण अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविदा में वास्तविक रूप से लिया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरग में दुई इसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के कधीन कर देने के प्रस्तरक के दावित में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी रिवो प्राप या रिवो बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-व के प्रन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवितियों, अर्थात् :—

(1) श्री वै- मलोकारजुना प्रसाद 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री माता मनोहर राऊ 6-3-1111-बेगमपेट हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 26-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुलजर्मान घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद विस्टर्न 371.5 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रो दस्तावेज नं० 214/79 उप रजिस्ट्रो कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० बीर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-79  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदाएँ

**269 च(1) के प्रवीन मूल्यना**

गारन सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निवेदण सं० आर० य० सी० न० 227/79-80  
यतः मुझे, के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-च के प्रवीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 6-3-1111 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1979 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, विभिन्नतिकृत उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धित में बास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रवीन कर देने के प्रस्तरक के दावितमें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसो किसी आय या रिसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम की आदा 269-च के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आदा 269-च की उपआदा (1) के अवीन विभिन्नतिकृत अस्तियों, अर्थात्:—

11—286GI/79

(1) श्री व० मल्लीकारघुना प्रसाद चलापली घर बेगमपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री महमद यमुनीदीन 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करकु इसके संवत्सर के ब्रह्मन के लिए कार्याद्विधि करता है।

उक्त विवास के ब्रह्मन के नंबर में कोई भी वार्षिक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में बढ़ाया गया हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्तित्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवद्धु किसी ग्रन्थ अस्तित्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टीकारण:—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुली जमीन वीर्तन 895 वर्ग यार्ड घर न० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद दस्तावेज न० 220/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1979  
मोहर:

प्रस्तुति दी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ये० सी० नं० 228/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11 है, जो 6-3-1111-बेगमपेट में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह ग्रन्थि अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिस्ते आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री वे० मल्लीकाजेरना बेगमपेट 6-3-1111-बेगमपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जी० मोहनराऊ पिता राम गोपाल राऊ 3-1-100 डी० करीमनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 11 घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 227/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय केरत-बाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79  
मोहर

प्रकाश प्राईंटी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० य० सी० न० 229/79-80—यतः मुख्य  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-1111 प्लाट है, जो बेगमपेट हैदराबाद  
में स्थित है (ओर इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैतराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में कास्तबिक  
रूप रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी भाय की वाहत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी भाय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या छन-कर भाग्नियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, उसमें  
में सुविधा के लिए।

उद्दा० प्रथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के  
बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की  
उप-भारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैद 1—

1. श्री एम० मल्लीकारजुना प्रसाद चलापली घर—बेगम-  
पेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डॉक्टर वै सावीकी देवी वै घर नं० 3-5-911/बी  
हीमायतनगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किये जा सकें।

साठोहरा :—इसमें प्रयुक्त गद्दों प्रीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधाय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राम्य  
में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 19, 20, 21, वीस्टर्न 1133.5 वर्ग यार्ड  
घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
245/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैतराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर:

उक्त प्राईंटी० एन० एस०—

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 च (1) के घटीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० न० 230/79-80—यतः मझे के० के० थीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के घटीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 6-3-111 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रमाणित की रई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रमाणित की रई) और प्रमाणित (प्रमाणित की रई) के बीच ऐसे प्रमाणित के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाणित सिद्धि में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमाणित सम्बोधी और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घननकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अस्तित्वी बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, उसमें में सुविधा के लिए;

ग्रन्ति प्रति उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के घटीन, निम्नलिखित घाविनियों पर है :—

1. श्री वै० मल्लीकारजुना प्रसाद बेगमपेट हैदराबाद।  
(अन्तरक)
2. श्री के० तीरुमलेश घर न० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद।  
(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उचित बाहिर करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रदेश के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा, अषोकस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुष्याची

प्लाट और जमीन वीर्स्टन 341.25 अर्ग यार्ड घर न० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 248/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० थीर  
सक्तम अधिकारी,  
सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर:

प्रस्तुप प्राइंटी टी.एन.एस.---

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
घारा 269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश मं. ग्राम. यो. सी. नं. 231/79-80—यतः मझे,  
के० के० वीर

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),  
फी घारा 269वाँ के प्रधीन सभ्यम प्राधिकारी को, यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी मं. प्लाट नं. 17 है, जो 6-3-1111-बेगमपेट  
में स्थित है (और उससे उपावड अन्सूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में  
कैंटाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये ;

यतः यत्र, उक्त प्रधिनियम की घारा 269वा॑ के अनुसरण में  
में उक्त प्रधिनियम की घारा 269वा॑ को उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वै० मलीकार्जुना प्रसाद चेलापली घर बेगमपेट  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नदीरा सुलताना 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में ज्ञोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शुल्कद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवैद्यतात्त्वरों के पास  
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित  
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुशूलनी

वीचारी घर नं. 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद प्लाट  
नं. 17 वीस्टन-528 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं.  
/79 उप रजिस्ट्रीकार्यालय कैतरताबाद में।

के० के० वीर  
सभ्यम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-1979

मोहर:

प्रधन प्राई. टी. एन. एस.—  
ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-प (1) के पश्चीम सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० 232/79-80—यतः, मुझे,  
के० के० वीर,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० विभाग 10-2-67 है, जो मारेडापली सीकिन्द्रा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकिन्द्रा-बाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16  
के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए  
तर पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त  
प्रधिनियम के पश्चीम कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी तत या अन्य ग्रास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प को उपरांत (1)  
धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति:—

1. श्रीमती जमुनाबाई आर० दुबे और रवीन्द्रा दुबे और  
दूसरे घर न० 11-1-461 तीशापलमनडी  
सीकिन्द्रा-बाद।

(अन्तरक)

2. श्री डी० ऊमाशंकर घर न० 10-3-134 ईस्ट मारेडा-  
पली, सीकिन्द्रा-बाद।

(अन्तरिती)

को पूर्व मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंत के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप:—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ऐ  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी श्रव्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोद्दाशी के तास  
निखित में फिर जा सकें।

संबोधकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों को, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अवृत्ति होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नाती विभाग घर न० 10-2-67 ईस्ट मारेडपली  
सीकिन्द्रा-बाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 4/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय सीकिन्द्रा-बाद में

के०के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर:

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एस०——

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा  
269-ए (1) के भवीन सूचना

भारत मंत्रालय

कार्यालय, भायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० य० सी० न० 233/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), को धारा  
269-ए के भवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाहास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,और जिसकी सं० जमीन 609, 633 है, जो अम्बरपेट हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, हैदराबाद  
ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
गिरन्निवित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विवित में बास्तविक रूप  
से किया नहीं किया गया है।—(क) अस्तरण से हुई किसी घाय की जावत उक्त अधिनियम के  
प्रतिक्रिया कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी घाय वा किसी घन या घन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया  
जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

घोगमती जमीन सं० 609 और 633 अम्बरपेट  
कलान, गाव 9, 19 मेकसी हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं०  
486/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीख : 18-9-79  
मोहर :यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुवरण में,  
उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपचारा (1) के  
अधीन, विवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रह्लप प्राईटी एन्सेस्ट्री

आयकर विधियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनाक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं. आर० य० सी० नं० 234/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर प्रविधियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ए के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं० 6/1 है, जो गगनमहल हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में)  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16  
के प्रधीन, तारीख जनवरी 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पक्का प्रतिकाल से अधिक है और प्रत्यक्ष  
(प्रत्यक्षकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे  
अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अस्तरण से तुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकाट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपस्थाना (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रवार्ता:—

1. श्री जी० टी० वी० रामाधामिलू।
- (2) श्री जी० टी० वी० लशमीनररसीमा।
- (3) श्री जी० टी० वी० श्रीरामगुमटु श्रीनिवास।  
(अन्तरक)
2. श्री धडावरपुवालामौली 1-2-6 गगनमहल कालोनी  
हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में छोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियी अधिकारी  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में  
हितवड़ किसी अन्य अधिकारी, अधोहस्ताकरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**उपलब्धीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एस० 6/1 गगनमहल कोआपरेट डिवलपमेंट  
सोसाइटी डीमलगुडा हैदराबाद बीस्टैन 464 वर्ग याँड़ रजिस्ट्री  
वस्तावेज नं० 96/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर :

प्रस्तुत प्राईट टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 235/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो रहमतबाग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं करा गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम का धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम का धारा 269-वा की उपाधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः:—

—286GI/79

1. श्रीमती महमूब बी० इलीयस यसुफनीसा बेगम पत्नी सफदरखान 17-3-434/3 याकूबपुरा हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्री भागवती प्रसाद 3-5-770/ए/9 नारायणगुडा हैदराबाद-29। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 647 वर्ग यार्ड (17/115 भागी) संख्या नं० 7 रहमतबाग पुलिस स्टेशन के सामने काजीगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 53/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० य० सी० न० 236/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो मुमुक्षुगुडा हैदराबाद, में  
स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1979,  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्तियों) के बीच  
ऐसे अस्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व  
में कमी करने या उससे बचने में मुांधा के  
लिए; मांरया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ऋति या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनावें अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना थाहिए या लिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः, मब, उक्त अधिनियम को पारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपलब्ध  
के (1) अधीन निम्नलिखित धर्यत्वों, अर्जन ।—

1. श्री वी० जतगया ममुक्षुगुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स॒ मयीवाद्रा कोआपरेटिव हौजीनग सोसाइटी  
लिमिटेड गीशा महल हैदराबाद।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहनेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**रजिस्ट्रीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भूम्याय 20-क में परिचालित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट और खुली जमीन यमुक्षुगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज न० 126/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद  
में।

के० के० वीर  
लक्ष्म स्त्री  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 18-9-79

मोहरः

पृष्ठ प बाई० टी० एन० एस० ----

श्रापकर भवित्वनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा

269 च (1) के प्रधीन सूचना,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० य० सी० 237/79-80—यतः सुन्ने,  
के० के० वीर,

आयकर भवित्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भवित्वनियम' कहा जाय है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन नं० 14, 15 है, जो युसुफगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रस्तुरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी पाय की वादत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी वन या अन्य पास्तियों को, जिन्हे भारतीय पायकर भवित्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भवित्वनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

खुली जमीन एक एकर सर्वे नं० 14 और 15, युसुफगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 124/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अड्ड: अब, उक्त भवित्वनियम की धारा 269-च के प्रगत्यरण में, उक्त भवित्वनियम की धारा 269-च की उपादाय (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, वर्चातः—

तारीख : 15 सितम्बर 1979

मोहर :

1. श्री बी० गनड्या और दूसरे, युसुफगुडा हैदराबाद।  
(अन्तरक)
2. साई बाबा कोआपरेटिव हीजीनग सोसाइटी लिमिटेड  
197/77 गीशामहल हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंग के लिये कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंग के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

- (अ) इस सूचना के राबूत में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राबूत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य अवित्य द्वारा प्रधांस्ताकारी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यहा परिभाषित है, वही प्रयं होता और उस अन्याय में दिया गया है।

प्रकृष्ट शार्दूली एवं एस—

आधिकार प्रबंधनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की आधार  
269प्र ( 1 ) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ਅਰਜੰਨ ਰੇਂਜ, ਹੈਂਦਰਾਬਾਦ

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर०ये०सी०नं० 238/79-80—यतः मुम्प,  
के० के० वीर

**प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), को भारा-  
269-वा के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
पैसे से अधिक है**

प्रीर जिसको सं० खुली जमीन है, जो यूसुफगुडा हैदराबाद में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी कर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, तारीख जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रभन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्तिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरितों (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रभारण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रभारण के कायित्र में कमी करने या उससे अचले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाष्य या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय अन्तरिक्षों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः यद्, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपलब्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों समवत् :—

1. श्री बौ० राजमा पिता सामना और दूसरे युसुफगुडा  
हैदराबाद।  
(अन्तरक)
  2. मैसर्स साई बाबा कोओपरेटिव सोसाइटी 197/77  
गीशामहल हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तर ममति के घटन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(x) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**प्रयोगीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही  
पर्याप्त होगा जो उस प्रस्ताव में विद्या गया है।

परमार्थ

खुली जमीनयेक येकर युसुफगुडा हैदराबाद में है रजिस्ट्री वस्तावे जनं० 125/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के ० के ० ओर  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज I दिल्ली, नई दिल्ली-१  
अर्जन रेज, हृदाराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर०पे सो०न० 239/79-80—पतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ग  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 11-4-636 है, जो ए० सी० गार्ड हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रेकर्ट अधिनियम, 1908 (19098 का 16)  
के प्रधीन, तारीख जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
दय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन करदेने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

पतः यद्य, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरम  
में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविवाही, अवीर् ।।—

1. श्रीमती सिद्धिकी सबसुम 10-3-304/12 हुमायून  
नगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जी० गुनासागर  
(2) श्रीमती जी० वी० सुबालशमी सागर।  
(3) श्रीमती गीटेती सरसीनग होम गालीवारी  
मौमावरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पश्चों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभार्ता  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नया दो मंजिला घर नं० 11-4-636 ए० सी० गार्ड  
हैदराबाद रजिस्ट्रेशन नं० 76/79 उप रजिस्ट्री, कार्यालय  
फैरताबाद में।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

तिर्देश सं० आर० ये० सो० नं० 240/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-ए के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार भूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट बी०/७ है, जो ब्लाक III उनपलमें  
में स्थित है (और इसमें उपावड्ड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
के प्रधीन, तारीख जनवरी 1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(न) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उच्चसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कमी प्राप्त या किसी धन या अम्ब भास्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के अनु-  
सरण में यैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपधारा  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी,

1. मैसर्स ईस्टन कर्मसेवल और इंडस्ट्रीयल इंटरप्राइसेस  
लिमिटेड बंगलूर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आर० एन० पीलटर्स लिमिटेड डाइरेक्टर श्री  
आर० नीरेणजारेडी 8-3-1079/1 श्रीनगर कालोनी  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधिन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रवृत्त के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अनियतों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी  
में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में  
परिचायित है, वही अर्थ होगा जो, उस ग्रन्थाय  
में दिया गया है।

अनुमूल्य

घर और प्लाट नं० बी०/७ ब्लाक नं० III श्रोपल इंडस्ट्रीयल  
जगह 5 एकड़ जमीन हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 240/  
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर  
सकाम अधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर :

प्रकल्प प्राईंटी टी. एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर०य००सी० नं० 241/79-80—यतः मुझे,  
के० के० बोर०आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 6-3-1111 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुमति में भी पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जनवरी 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुसरित की जाए है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से  
अधिक है और अस्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्लिन, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरक लिखित में वास्तविक काप से  
कथित नहीं किया गया है।—(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय जी वाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(म) ऐसा फिसी आय या किसी घन या अन्य सामितियों को,  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन लिखित अधितयों अवधारः—1. श्री वाई० मल्लोकारजुना प्रसाद चेलापली घर, बेगमपेट  
हैदराबाद। (अन्तरक)2. दि आन्ध्र प्रदेश करीम नगर संगम 642/76  
से श्रीटी यु० जयारामन, मलकपेट हैदराबाद।  
(अन्तरिती)जो यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के मम्बर्स में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी द्वारा सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
मापाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी  
अधिकारी द्वारा;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वें हिसबद्ध किसी  
अन्य अधिकारी द्वारा अधिकारी के पास लिखित  
में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-व में परिभाषित हैं  
उही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है;

अनुमति

प्लाट नं० 2.3 -घर नं० 6-3-1111 बोर्टर्स 481 वर्ग  
यार्ड बेगम पेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 238/79 उप  
रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में:के० के० बोर०  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर०य० सी० न० 242/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जोरायती जमीन है, जो 7-बी सकनगर में  
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रात्तरी अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परन्तु  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिशत के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिशत नियमित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिशत से तुझे किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के तायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसो किसी भाय या किसी धन व अन्य आस्तियों  
को जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित :—

1. श्रो वौ० बसवाराजू० 3-6-693-हीमायतनगर हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स वैश्या ग्रेजवेट कोपओपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
घर नं० 6-1-91 बासबीनगर हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अन्तिम द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध  
किसी अन्य अविक्षियों द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जोरायती जमीन वीस्टर्न 12.00 एकड़ मर्वे नं० 7/  
बी सुलनगर गांव हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्रो दस्तावेज नं० 785/  
79 उप रजिस्ट्रो कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79  
मोहर:

प्रस्तुप भाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदान  
269-व (1) के अधीन सूचना,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 18 सितम्बर 1979

निम्नों सं० आर०ये०सी०न० 243/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-व  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से  
अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-402 है, जो रास्ता नं० 5 बनजारा  
होस्टल में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, केरता-  
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पछाद प्रतिहत  
से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच देखे बन्दरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में किया नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी पाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या पन्थ आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, उपरोक्त में सुविधा के लिए।

यतः बद, उक्त अधिनियम, की आदा 269-व के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-व की बजारा (1)  
के अधीन लिखित अन्तरणों, अवृत् ।—

1. श्रीमती नजोमा अनसारी ईलोयास नजमुनीसा बैगम  
पत्नी हमीद अनसारी हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मास्टर बी० बालाकृष्णण (माईनर) 8-2-402  
बनजारा होस्टल हैदराबाद।

(अस्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त न प्राप्ति में कोई भी आक्रम ।-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि द्वारा में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से  
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थानीर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पन्थ अविक्षित द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए था सक्ते।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों द्वारा परों का, और उक्त अविक्षियम के अन्याय 20-व में परिभाषित है, वही  
मर्ज होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बर नं० 8-2-402 रास्ता नं० 5 बनजारा होल्स हैदराबाद  
रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 263/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय केरता-  
बाद में।

के० के० वीर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर:

प्रकृष्ट शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 244/79-४०—यतः, मुझे  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-402 है, जो रातस्ता नं० 5 बनजारा  
हीलस में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरता-  
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की वई है और यह यह विश्वास  
करने वा आएगा कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य उम्हे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) तौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरक के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
नदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व म कमी करने या उसमें बचते म सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, ग्राहीतः—

1. श्रीमती गजमा अनजारी ईलीयास नजमारसा बेगम  
पत्नी हमीद अनसारी 8-2-466/2 रास्ता नं० 1  
बनजारा हीलस हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० सरोजीनी पत्नी बी० रामास्वामी ४-२-  
४०२ रास्ता नं० ५ बनजारा हीलस हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि, या तस्मान्वदी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हठोहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

विभागी घर नं० 8-2-402 रास्ता नं० 5 बनजारा हीलस  
हैदराबाद खुली जगीन बीस्टन 1675 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्ता-  
वेज नं० 264/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 245/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269 वा  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-4-636 है, जो सैफाबाद हैदराबाद में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जनवरी 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पांचहूँ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावां  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या  
किया जामा जाता है, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

1. श्री राम० केगवत्रायद रापूर पिता किशनपरशाद 8-1-  
328 श्रीरूपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री महमद मुनीरीदीन पिता महमद शमशीदीन 5-9-  
गतपौनहरी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतंत के लिए  
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवौद्योगिक व्यापार के पास  
लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के प्रधानाय 20-क में परिभाषित है वही  
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-4-636 सैफाबाद हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 102/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-679  
मोहर:

प्रकाप पाई० टी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारत  
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० मे० सी० नं० 246/79-80—यतः मुझे,  
के० के० थीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा  
269ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी थे, यह विवाह करने का  
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-9-589 है, जो गनकौनड़ी हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख जनवरी 1979  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए घट्टारित की गई है और मुझे यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) थीर अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए दब पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित ये वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करनी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए थीर/वा

(क) ऐसी किसी आय या किसी बाय या दम्भ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनामं प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
बाय या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की बारा 269ए के  
अनुवरण में, ये, उक्त अधिनियम की बारा 269ए की  
उपचार (1) के अधीन विभिन्नित व्यक्तियों, भवात्:—

1. श्री महमद अब्दुल मकुम जी० पी० ए० गुलाम नसीरीदीन  
5-9-589 गनकौनड़ी हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री रपीदीन अहमद पुत्र गुलाम ससीरोदीन 5-9-  
589 गनकौनड़ी हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आशेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद भे समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी अविकल्प द्वारा।

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवड़  
किसी अन्य अविकल्प द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास  
सिवित में किये जा सकें।

एष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही पर्यंत होगा, जो उक्त अन्याय में दिया  
वर्णा है।

बनुसूची

विभागी 5-9-589 गनकौनड़ी हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 26/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० थीर

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-9-79

मोहर।

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० य० सौ० न० 247/79-80—यतः मुझे,  
को० को० धीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-60 है, जो जीकजपली हैदराबाद में स्थित  
है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बच्चे में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता/तृ :—

1. (1) कैप्टन एम० भर्मनदर पुत्र रामप्पा  
(2) श्री एम० रामेन्द्र (जी पी ए) एम  
रामप्पा।  
(3) श्री एम० रवीशंकर धर नं० 1-8-60  
धीकजपली हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० जगदामबा पर्सी आर० वेनकटस्वामी  
1-8-30 धीकजपली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयांशु शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,  
वही प्रथे होंगे जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अनुसूची

विभाग धर नं० बी० नं० 1-8-60 धीकजपली हैदराबाद  
खुली जमीन 364 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री वस्तावेज मं० 411/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० धीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-1979  
मोहर :

प्रकृष्टम आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० य० सी० न० 248/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये ने अधिक है।

और जिसकी सं० 1-8-60 है, जो धीकजपली हैदराबाद में  
स्थित है (और उसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्नट प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जनवरी 1979

पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वे कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मूल्य वह विश्वास करने  
का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल ने दूसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्वोत्तर  
प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के लिए ऐसे अन्तरण के लिए उद्योग या गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित छद्मे न उत्तर अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वायत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
लियत्व में कर्ता करने या उससे उच्चने में सुविधा के  
लिए आयुक्त

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें सहायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किसी आनाचाहिए वा छिपाव में सुविधा  
के लिए;

अतः यद्युक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) कैप्टन एम० अपन्द्र पुत्र रामप्पा  
(2) श्री एम० राधवेन्द्र पुत्र एम० रामप्पा  
(3) श्री एम० रवीशंकर 1-8-60 धीकजपली  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रापरती बना बाई पत्नी आर० कीशट्ट्या  
1-1-336/2/1 वीक्षकानगर धीकजपली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर  
व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़  
किसी धन्य अन्तिम द्वारा, अधोहस्ताकरों के पास  
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पर्वों का जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिमाणित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया  
है।

बहुत्सूची

विभाग न० घर न० ओ० 1-8-60 धीकजपली हैदराबाद  
खुली जमीन 258 वर्ग यार्ड है रजिस्ट्री दस्तावेज न० 412/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 26th September 1979

No. A.38013/1/79-Admno.III.—The President is pleased to permit Shrimati S. Krishnan a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th September, 1979 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

(Incharge of Administration),  
Union Public Service CommissionMINISTRY OF HOME AFFAIRS,  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 25th September 1979

No. S-16/70-AD.V.—On attaining the age of superannuation, Shri S. N. Basuroychaudhury, Dy. S. P. C.B.I. relinquished the charge of the office of Dy. S. P. in the C.B.I. with effect from the afternoon of 30-6-1979.

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 26th September 1979

No. 11/42/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Hari Om Kumar Lavania, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 12 September, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Lucknow.

No. 11/50/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on promotion, Shri S. B. Veerabhadra Rao, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations,

Andhra Pradesh, Hyderabad, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 25 August, 1979, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. His headquarters will be at Shillong.

3. The above *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Rao any claim to regular appointment to the grade. The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any next higher grade. The above *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/54/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Manmohan Krishna, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation basis, with effect from the forenoon of 24 August, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Lucknow.

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India.

## MINISTRY OF FINANCE

## DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

## BANK NOTE PRESS

Dewas, the 26th September 1979

F. No. BNP/C/5/79.—Shri R. C. Agrawal, a permanent Junior Supervisor (Intaglio) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) purely on *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group "B" Gazetted) w.e.f. 25-9-1979 (F.N.) for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

This *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

P. S. SHIVARAM,  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENTS  
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 27 September 1979

No. 1800-CA. I/66-79.—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (C) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:

| Sl. No.                            | Name of the Section Officer (C)                       | Office where working before promotion        | Office where posted on promotion as A. O. (C) | Date of posting as Offg. AO(C) |
|------------------------------------|---|--|---|--------------------------------|
| 1.                                 | 2.  | 3.   | 4.  | 5.                             |
| S/Shri                             |   |  |   |                                |
| 1. K. Subrahmanyam . . . . .       | Accountant General, Orissa.                           | Accountant General, Orissa.                  |   | 15-6-79                        |
| 2. A. L. Shah . . . . .            | Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.          | Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi. |   | 23-6-79                        |
| 3. T. R. Balasubramanian . . . . . | Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay.          | Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay. |   | 11-7-79                        |
| 4. B. K. Chowdhury . . . . .       | Member Audit Board & Ex-officio DCA, New Delhi.       | Accountant General, Jammu & Kashmir.         |   | 17-7-79                        |
| 5. A. S. Bajwa . . . . .           | Accountant General, Punjab, Chandigarh.               | Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi. |   | 18-7-79                        |
| 6. D. K. Dutta . . . . .           | Member Audit Board & Ex-officio DCA, (Coal) Calcutta. | Accountant General, Assam etc. Shillong.     |   | 19-7-79                        |

M. S. GROVER,  
Deputy Director (Commercial)

## COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 31st August 1979

No. 1(7)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Home Affairs, Shri P. J. Patel, a permanent employee of the State Govt. of Gujarat is appointed to the post of Private Secretary (Selection Grade of C.S.S.S.) in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 775—1200 on usual deputation terms, with effect from the forenoon of 1st August, 1979, until further orders.

The 3rd September 1979

No. 1(8)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Defence, Shri Narinder Paul Jately, Stenographer Grade 'C' (Selection Grade) of C.S.S.S. Cadre of that Ministry is appointed to the post of senior Personal Asstt. (Grade 'B' of C.S.S.S.) in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 650-1040 on usual deputation terms with effect from the forenoon of 22nd August, 1979, until further orders.

U. S. TECKCHANDANI.

Under Secy. (Admn.)

Commission on Public Expenditure

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 24th September 1979

No. 18361/AN-I.—The President is pleased to accept the resignation of SMT NARESH BALA GOYAL from the Indian Defence Accounts Service with effect from 20th May 79 (Forenoon).

R. L. BAKHSHI,  
Addl. Controller General of Defence  
Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE  
ORDNANCE FACTORY BOARD  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 14th September 1979

No. 41/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. DM/DADG with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri Sukmar Kolay, AM(P)—30th June, 1979.
- (2) Shri U. Kulshrestha, AM(P)—30th June, 1979.
- (3) Shri R. K. Dixit, Offg. AM—30th June, 1979.
- (4) Shri Lachhman Kumar, AM(P)—30th June, 1979.
- (5) Shri R. P. Nair, AM(P)—30th June, 1979.
- (6) Shri I. B. D. Gupta, Offg. AM—30th June, 1979.
- (7) Shri P. K. Bhowmick, AM(P)—30th June, 1979.
- (8) Shri Nanda Kumar, AM(P)—30th June, 1979.
- (9) Shri Bhoop Singh, AM(P)—30th June, 1979.
- (10) Shri A. K. Surendran, AM(P)—30th June, 1979.
- (11) Smt. Sashi Chaturvedi, AM(P)—30th June, 1979.

No. 42/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. AM/TSO with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri T. R. Sibbol, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (2) Shri A. K. Ghosh Dastidar, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (3) Shri P. V. Zacharia, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (4) Shri Baccha Singh, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (5) Shri A. K. De Sarkar, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (6) Shri K. M. Sampath, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (7) Shri A. K. Vijayan, Pt. Foreman—30th June, 1979.

- (8) Shri R. T. Haribhat, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (9) Shri R. P. Murthy, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (10) Shri M. R. Roy, Pt. S.A.—30th June, 1979.
- (11) Shri S. P. Sharma, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (12) Shri K. K. Paul, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (13) Shri K. K. Bhadra, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (14) Shri R. Venkatesan, Offg. Foreman—30th June, 1979.
- (15) Smt. Nibha Deb, Pt. S.A.—30th June, 1979.
- (16) Shri S. N. Dey, Offg. Foreman—30th June, 1979.
- (17) Shri H. S. Sethalia, Offg. Foreman—30th June, 1979.

V. K. MEHTA,  
Asstt. Director General Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND  
COOPERATION

## (DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 22nd September 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
ESTABLISHMENT

No. 6/599/60-Admn.(G)6989.—On attaining the age of superannuation, Shri Ajit Kumar Bose, an officiating Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, relinquished charge of that post on the afternoon of the 31st August, 1979.

C. S. ARYA,  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
For Chief Controller of Imports and Exports

## MINISTRY OF INDUSTRY

## DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

## SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 19th September 1979

No. A-19018(394)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. C. Chatrath, Small Industry Promotion Officer Regional Testing Centre, New Delhi as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in the Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 31st August, 1979, until further orders.

No. A.19018(402)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Dilip Kumar Das as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) in Small Industries Service Institute, Cuttack, with effect from the forenoon of 30th July, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND  
DISPOSALS

## (ADMINISTRATION SEC-A.6)

New Delhi, the September 1979

No. A/17011/160/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri G. G. De, a temporary Junior Field Officer in the Office of Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate on purely *ad-hoc* basis as Assistant Inspecting Officer (Met) in the office of Director of Inspection, Jamshedpur with effect from the forenoon of 7th September, 1979 and until further orders.

The 26th September 1979

No. A/17011/159-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri M. Subramanian, Examiner

of Stores (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Madras to officiate on purely *ad-hoc* basis as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Calcutta w.e.f. the forenoon of 27th August, 1979 and until further orders.

The 27th September 1979

No. A/17011/156-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri V. Nandanam, a temporary Junior Field Officer in the office of Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate on purely *ad-hoc* basis as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection; Bombay with effect from the forenoon of 16th August, 1979 and until further orders.

No. A/17011/160-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri T. D. Singh, Junior Field Officer in the office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate on purely *ad-hoc* basis as Asstt. Inspecting Officer (Met) in the Jamshedpur Inspectorate with effect from the forenoon of 31st August, 1979 and until further orders.

P. D. SETH,  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 26th September 1979

No. A-17011/153-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Sunit Kumar Chakraborty, Examiner of Stores (Tex) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Textiles) in the Madras Inspectorate with effect from the forenoon of 16-8-1979 on purely *ad-hoc* basis and until further orders.

K. KISHORE,  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi, the 22nd September 1979

No. A-6/247(496).—In partial modification of the Notification No. A-6/76(4)/58/XV dated 21-6-1976 in so far as it relates to the entries against the name of Shri D. B. Jain at Sl. No. 28 of the said Notification, the President is pleased to appoint Shri D. B. Jain, an officer of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from 27-8-1966 (A.N.). For the period from 27-8-1966 (A.N.) to 5-4-1970, Shri Jain will be adjusted against the supernumerary post created for his confirmation vide Ministry of Supply and Rehabilitation, (Department of Supply) letter No. A-31019/2/72-ESTT. (Vol. II) dated 31-3-1978.

K. KISHORE,  
Deputy Director (Administration)

#### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 24th July 1979

No. 4-164/79/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Dr. (Smt.) Sushma Jaswal to a post of Assistant Anthropologist (physical) in this Survey at North East Region, Shillong, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 5th July, 1979, until further orders.

C. T. THOMAS,  
Senior Administrative Officer

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 24th September 1979

No. A.12025/1/79-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri J. C. Khurana as Senior Artist, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 17th September, 1979, until further orders.

J. R. LIKHI  
Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advertising and Visual Publicity

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th September 1979

No. A. 12025/7/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. P. K. Karthiyani to the post of Nursing Adviser in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of 20th August, 1979 in a temporary capacity until further order.

2. Consequent on appointment of Smt. P. K. Karthiyani to the post of Nursing Adviser, Smt. R. K. Sood relinquished charge of the post of Nursing Adviser, Directorate General of Health Services on the forenoon of 20th August, 1979 and reverted to the post of Nursing Officer on the same date i.e., 20th August, 1979 (FN).

No. A. 12023/2/77(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Braj Kishore Prasad in the post of Deputy Director (Administration) at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 20th August, 1979 in an officiating basis and until further orders.

No. A.38012/3/79-(HQ) Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri R. D. Garg, Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services, New Delhi retired from Government service on the afternoon of the 31st August, 1979.

The 26th September 1979

No. A.12025/3/76(JIP)/Admn I.—The President is pleased to appoint Dr. S. Kasinathan to the post of Lecturer in Zoology, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, in a substantive capacity with effect from the 29th July, 1978.

S. L. KUTHIALA,  
Deputy Director Admn. (O&M)

#### MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 28th September 1979

No. A-19023/58/78-A.III.—The short-term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) in this Directorate have been extended upto 31-12-79 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

1. Shri S. B. Chakravarty.
2. Shri S. V. Krishnamurthy.
3. Shri R. V. Kurup.
4. Shri S. D. Phadke.

B. L. MANIWAR,  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 26th September 1979

No. PPED/3(262)/76-Adm./14268.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T.

Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 24, 1979 upto the afternoon of November 8, 1979 *vice* Shri K. Sankaran Kutty, Assistant Personnel Officer, deputed for training.

B. V. THATTE  
Administrative Officer

**NARORA ATOMIC POWER PROJECT**

P. O. Narora, the 27th September 1979

No. NAPP/Adm/1(152)/79-S/10909.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri Mehdji Imam to officiate as Industrial Relations Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of September 5, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN  
Administrative Officer  
*for* Chief Project Engineer

**DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES**

Bombay-400 001, the 1st September 1979

No. DPS/2/1(25)/77-Adm/22991.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Babu Dhondwanit Kavishwar a permanent Accountant and officiating Asstt. Accounts Officer, to the post of Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the Madras Regional Accounts Unit of this Directorate with effect from the forenoon of July 31, 1979 until further orders *vice* Smt. B. Shakuntala, whose services are placed at the disposal of Ministry of Commerce on deputation terms.

K. P. JOSEPH  
Administrative Officer

Bombay-400 001, the 26th September 1979

No. DPS/23/8/77/Est/29652.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Asstt. Accountants of this Directorate to officiate as Asstt. Accounts Officer on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same directorate for the periods indicated against each :—

| S. No.                 | Name     | From    | To |
|------------------------|----------|---------|----|
| 1. Shri A. M. Parulkar | —29—3—79 | 30—4—79 |    |
| 2. Shri V. V. Sawant   | 21—5—79  | 22—6—79 |    |

C. V. GOPALAKRISHNAN  
Assistant Personnel Officer

**ATOMIC MINERALS DIVISION**

Hyderabad-500 016, the 21st September 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Arvind Balasaheb Awati as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd May 1979 until further orders.

The 26th September 1979

No. AMD-1/13/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri John Joseph as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of 5th September 1979 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION**

**INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 26th September 1979

No. E(1)00803.—The President has been pleased to appoint Shri V. P. Khumble, Officiating Meteorologist Grade I, India Meteorological Department, to officiate as Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur with effect from the forenoon of 27-8-1979 and until further orders.

S. K. DAS  
Dy. Director General of Meteorology  
(Administration & Stores)

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 19th September 1979

No. A. 32013/10/79-EI.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. R. Bhatia, a permanent Accountant in this Department to the post of Accounts Officer, Civil Aviation Department, New Delhi, on *ad-hoc* basis for a period of 49 days with effect from the 1st September 1979, *vice* Shri P. R. Larooya granted leave.

C. K. VATSA  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 20th September 1979

No. A-39013/7/79-EA.—Shri A. K. Sharma, Asstt. Aerodrome Officer, Bombay Airport resigned from Government service with effect from the 28-8-1979 (AN).

V. V. JOHRI  
Asstt. Director of Administration

**VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA**

Dehra Dun, the 26th September 1979

No. 16/335/79-Ets-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri P. Narayanappa as Research Officer, Forest Research Laboratory, Bangalore with effect from the forenoon of 27th July, 1979 until further orders.

GURDIAL MOHAN  
Kul Sachiv,  
Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

**COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS**

Patna, the 3rd October 1979

No. II(7)2-ET/79/12361.—The following officiating/confirmed Superintendent, Group 'B' of this Collectorate has retired from service on superannuation w.e.f. the dates indicated against each :—

| Sl. No.             | Name (S/Shri) | Date of Superannuation. |
|---------------------|---------------|-------------------------|
| 1                   | 2             | 3                       |
| 1. Jagnarain Prasad | .             | 31-10-78 (A.N.)         |
| 2. D. N. Singh      | .             | 30-11-78 (A.N.)         |
| 3. Md. N. Hoassan   | .             | 31-1-79 (A.N.)          |
| 4. P. R. Sharma     | .             | 31-1-79 (A.N.)          |
| 5. N. N. Sinha      | .             | 31-1-79 (A.N.)          |
| 6. G. N. Verma      | .             | 31-1-79 (A.N.)          |
| 7. B. N. P. Sinha   | .             | 31-1-79 (A.N.)          |

| 1   | 2                     | 3              |
|-----|-----------------------|----------------|
| 8.  | Keseswar Prasad Verma | 28-2-79 (A.N.) |
| 9.  | V. D. Chaudhary       | 28-2-79 (A.N.) |
| 10. | M. Pradhan            | 31-3-79 (A.N.) |
| 11. | C. D. Nath            | 30-4-79 (A.N.) |
| 12. | K. N. Prasad          | 31-5-79 (A.N.) |
| 13. | R. P. Tiwary          | 31-8-79 (A.N.) |

D. K. SARKAR,  
Collector,

Central Excise : Patna

Madras, the 7th September 1979.

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 4/79.—Shri R. N. VISWANATH, a Union Public Service Commission Candidate is appointed as Direct Re-service Appraiser (Expert) in this Custom House with effect from 31-8-1979 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA  
Collector of Customs

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT,  
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 22nd September 1979

No. 9/79.—Shri R. K. Kapoor, I. Asstt. Collector of Central Excise lately posted in the Deptt. of Revenue, Ministry of Finance, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi *vide* Govt. of India, Ministry of Finance (Dept. of Revenue) Order No. 166/77 (F. No. A-22012/36/79-Ad. II) dated 11-9-1979, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' on the 12th Sep., 1979 (F.N.).

DAYA SAGAR  
Director of Inspection

CENTRAL RAILWAY  
GENERAL MANAGER'S OFFICE  
Bombay V. T., the 7th September 1979

No. HPB/220/G/I/TC.—The following Officers are confirmed in Senior Scale of the Indian Railways Traffic Service from the dates shown against each:—

| Sr.<br>No. | Name               | Date of confirmation. |         |
|------------|--------------------|-----------------------|---------|
|            |                    | Provisional.          | Final   |
| 1          | 2                  | 3                     | 4       |
| 1.         | Shri S. K. Agrawal | 19-2-1970             | 1-9-71  |
| 2.         | Shri S. N. Sharma  | 1-9-1971              | 1-9-71  |
| 3.         | Shri R. K. Sharma  |                       | 1-11-72 |
| 4.         | Shri S. K. Singh   |                       | 21-5-73 |
| 5.         | Shri B. K. Verma   |                       | 5-3-75  |
| 6.         | Shri C. M. Khosla  |                       | 5-3-75  |
| 7.         | Shri P. C. Johorey |                       | 1-7-75  |

| 1   | 2                    | 3 | 4        |
|-----|----------------------|---|----------|
| 8.  | Shri Vinay Kumar     |   | 23-8-75  |
| 9.  | Shri R. C. Saxena    |   | 1-10-75  |
| 10. | Shri V. K. Sinha     |   | 1-12-75  |
| 11. | Shri M. C. Kapoor    |   | 1-5-76   |
| 12. | Shri R. L. Seth      |   | 2-8-76   |
| 13. | Shri Sushil Kumar    |   | 1-10-76  |
| 14. | Shri T. Kumar Das    |   | 1-5-77   |
| 15. | Shri Satyendra Kumar |   | 1-7-77   |
| 16. | Shri S. P. Sharma    |   | 30-11-77 |

KRISHAN CHANDRA,  
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD  
(OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES)

*In the matter of Companies Act, 1956, and of  
Chandra Gupta Prakashan Limited*

Patna, the 26th September 1979

No. (40)560/78-79/3263.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chandra Gupta Prakashan Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE,  
Registrar of Companies,  
Patna, Bihar

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Uma Investment Private Limited*

Bombay, the 27th September 1979

Co. No. 13110/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Uma Investment Private Limited has been ordered to be wound up by an order dated 23-7-1976 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

Sd. ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies,  
Bombay, Maharashtra

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Potdar Agencies Private Limited*

Gwalior-474009, the 27th September 1979

No. 790/Liqn./C.P./3328.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Potdar Agencies Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies,  
Madhya Pradesh, Gwalior

## FORM ITNS

(1) Shri Meer Singh, Khilli Ram & Lakhi Ram s/o Chandgi, r/o Mohd Pur, Munirka, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC[Acq-I]SR-III|974|Jan-II(20)|78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 226 (4-16), 225 (4-16), 276/1 (1-0), situated at Village Gadaipur, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Bahadur Singh s/o Sh. Bishan Singh r/o c/o Kartar Singh Poultry Farm, Gadaipur, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agr. land area 10 bighas 12 biswas, Khasra No. 226 (4-16), 225 (4-16), 276/1 (1-0), situated in Village Gadaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 24-1-79.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC[Acq-I|SR-III|1-79|930].—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Khasra No. 227, situated at Village Gedaipur, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhawati w/o Bharat Singh, Shanti w/o Dharam Singh Chameli Wd/o Diwan Singh and Hira Wati w/o Attar Singh r/o Kotla Mubarakpur, New Delhi through general attorney Sh. Daya Ram s/o Sh. Muni Ram r/o Gedaipur, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Lakhbir Singh s/o Amir Singh r/o Gedaipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agr. land area 3 bighas 4 biswas Khasra No. 227, Village Gedaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 8-1-79

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC[Acq-I|SR|III]Jan-1 (21&22)|78-79|931.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 212, situated at Village Gadaipur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

(1) Shri Bhim Singh s/o Sh. Jhandoo Singh & Shib Narain s/o Jhandoo Singh, r/o Village Khayalla, Delhi, through General attorney Sh. Daya Ram s/o Muni Ram r/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferors)

(2) Lakhbir Singh s/o Amir Singh R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas 8 biswas, Khasra No. 212, Village Gadaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 8-1-79.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mange Ram s/o Budh Ram r/o 35, Yusuf Sarai,  
New Delhi.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. LAC/Acq-I/SR-III/Jan-I(49)/78-79/947.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing K-No. 213/1 (2-8), 213/2 (2-8), situated at Village Gadaipur, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Shri Lakhbir Singh s/o Amir Singh r/o Gadaipur, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agr. land area 4 bighas 16 biswas, K. No. 213/1 (2-8), 213/2 (2-8), Village Gadaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 12-1-79.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXINCOME TAX, ACQUISITION RANGE I  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No.IAC/Acq-I/SR-III/984/Jan II (30)/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agr. land No. 581/1, 581/2, 582/2 situated at Village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri (1) Priti s/o Fattan (2) Raghbir Singh (3) Ant Ram (4) Ram Saroop sons of Priti (5) Smt. Anto Devi w/o Sinehro (1/6 share), (6) Smt. Bohti w/o Mohar Singh (1/6 share) (7) Smt. Birhma w/o Sh. Hukham Singh (1/6 share) (8) Smt. Shameli w/o Shri Sis Ram (1/6) share (9) Smt. Phool Watu Wd/o Mithu (1/6 share) (10) Keso Ram (11) Daya Chand & Vijay Singh sons of Risal (1/6 share) through Sish ram s/o Fattan R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Gunwati w/o Nanak Ram R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land area bighas 12 biswas, Khasra No. 581/1, 581/2, 582/2, situated at Village Gadaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on Jan. 1979.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mr. Rati Khan & Mr. Mohammad Khan Sons of Sh. Mudari r/o Village Chandanihula, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Subhash Chopra, Sunil Chopra, Esha Chopra & Kumkum Chopra, r/o 2-A, Matcalf Road, Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC/Acq-I/SR-III/965/Jan.II (11)/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. Land Nos. 135(4-4), 136(5-0), 137 (4-16), situated at Village Chandan Hula, Tehsil, Mehrauli, N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. Land area, 14 bighas, Khasra No. 135 (4-4) 136 (5-0), 137 (4-16), Village Chandan hula, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 15.1.1979.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
15—286GI[79]

Date : 22-9-79  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 16th August 1979

Ref No. ASR/79-80/142.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land

situated at Sultanwind Taran Taran Rd. ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on 19 January, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Mohinder Singh Swinder Singh & Rajinder Singh Gurdev Singh ss/o S. Ghasita Singh r/o Nazampur Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Balwant Singh, Dalbir Singh & Ajaib Singh ss/o S. Sunder Singh r/o Chowk Baba Bhori wala House No. 2588/5, Amritsar.

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person (1) interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 1625 sq. yds. situated at Sultanwind, Taran Taran Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3752/I dated 11-1-79 of the registering authority. Amritsar city.

**M. L. MAHAJAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 16-8-79

Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shri S. Ghasita Singh s/o S. Bhan Singh r/o Nizampur Distt. Amritsar.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 16th August 1979

Ref No. ASR/79-80/143.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Sultanwind Rd. Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) S./Sh. Balwant Singh Dalbir Singh & Ajaib Singh ss/o S. Sunder Singh r/o Amritsar Chowk Baba Bhori wala House No. 2588/5, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person (s) interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 1025 sq. yds. situated at Sultanwind Taran Taran Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3751/I dated 11-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Amritsar

Date : 16-8-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Chand Kaur d/o Ganda Singh r/o Village Khan Raizada Tehsil Taran Taran  
(Transferor)

(2) Sh. Sukhdev Singh s/o S. Mewa Singh of village Khan Raizada, Tehsil Taran Taran  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. TT/79-80/144.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated in village Khan Raizada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Taran Taran on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural and measuring 32 kanals situated in village Khan Raizada Tehsil Taran Taran as mentioned in the registered sale deed No. 5892 dated 30-1-79 of the registering authority, Taran Taran.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Amritsar

Date : 18-8-79  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS —————

(1) Sh. Surinder Kumar Sehgal s/o Sh. Shori Lal 92,  
Kenedy Avenue Amritsar.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, 20th August 1979

Ref. No. ASR/79-89/145.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at  
Circular road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar city  
in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sh. Sham Sunder s/o Sh. Gorishanker, Katra & Kucha Bhai Sant Singh, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 458.2 sq. mtrs situated on circular road Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 4021/I dated 30-1-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-8-79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, AMRITSAR**

Amritsar, 20th August 1979

Ref. No. ASR/79-80-146.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated on Circular Rd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Amritsar city Registering Officer at Amritsar city in January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the esaid instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Surinder Kumar s/o Sh. Shori Lal, 92 Kennedy Avenue, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Sh. Inderjit Singh s/o Sh. Gurdit Singh, 18 Albert Road Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 458.2 sq. mtrs. situated on the circular road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4038/I dated 31-1-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspection Asstt, Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date : 20-8-79  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mehar Singh Tarlok Singh ss/O Shri Sunder Singh, r/o 475 Green Avenue, Amritsar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/147.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shed situated at Dhapai Road, Diam Ganj, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Bhajan Lal s/o Shri Amar Nath Prop. M/s. Alliance Trading Co. Gali No. 3, Putlighar Amritsar.  
(Transferee)

(3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shed situated at Dhapai Road, Daim Ganj, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 4039/I dated 31-1-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date: 24-8-1979.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR****Amritsar, the 27th August 1979**

Ref. No. ASR/79-80/48.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Building situated at Katra Sher Singh ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city in January, 1979, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Piara Lal, Mohan Lal s/o Shri Paras Ram r/o 34, New Telephone Exchange, Amritsar.  
(Transferor)

(2) S/Shri Amar Nath s/o Shri Hakam Rai and Shri Baldev Raj s/o Shri Amar Nath r/o 92 Katra Jaimal Singh Amritsar.  
(Transferee)

(3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any, if any. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One building area 114 sq. mtrs situated in Ktr. Sher Singh Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3665/I dated 5-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-8-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Sneh Lata w/o Shri Tarlook Chand and Smt. Romesh Kumari w/o Shri Jagdish Chand r/o 1563/8 Bajar Nimak Mandi, Amritsar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(2) Shri Mulesh Chander s/o Shri Ram Lal and Shri Shankar Lal s/o Shri Devi Dial r/o 109 Krt. Jaimal Singh, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As mentioned at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One building area 114 sq mtrs. situated in Ktr. Sher Singh Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3664/I dated 5-1-79 of the registering authority Amritsar city.

**M. L. MAHAJAN, IRS**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
16—286GI|79

Date : 27-8-1979

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Smt. Satwant Kaur w/o Kartar Singh r/o Majithia Tehsil Amritsar.  
(Transferor)

(2) M/s. Itfaq Foundry works, East Mohan Nagar, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 1708.33 sq. mtrs. situated on Sultan Wind Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3629/I dated 2-1-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-8-1979,

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Jaswant Kaur w/o S. Kartar Singh r/o Majitha Tehsil, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Itfaq Foundry works, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

At Amritsar, the 27th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/151.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar city on January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDE**

One plot of land measuring 1708.33 sq. mtrs. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in registered sale deed No. 3792/I dated 15-1-79 of the registering authority, Amritsar tehsil.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-8-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/152.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Amritsar city on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kulwant Kaur w/o S. Mohan Singh r/o Majitha, Tehsil Amritsar.  
(Transferor)
- (2) M/s. Virdi Bobinz Industries, (Pvt.) Ltd., East Mohan Nagar, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As mentioned at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 2333.33 sq. mtrs. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3630/I dated 2-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-8-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kulwant Kuar w/o S. Mohan Singh r/o Majitha, Tehsil Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Tarlok Singh S/o S. Shad Singh, Harbans Singh Ajaib Singh Anup Singh ss/o Tarlok Singh, r/o Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any other person(s) interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/153.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar city on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1937-50 sq. mtrs. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3791/1 dated 15-1-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-8-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 30th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/154.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot of land at Duni Chand Road, AASR (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Amritsar city on January, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pritpal Singh s/o Maj. Harnam Singh r/o 44 Shaheed Bhagat Singh Road, now 54-M. G. Road, Anand Bazar, Agra.  
 (Transferor)
- (2) Shri Banarsi Lal s/o Shri Gopi Ram r/o Ktr. Sher Singh (Sawtri Bhavan) Amritsar.  
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot of land No. 14 situated at Rai Bahadur Duni Chand Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 934/I dated 24-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-8-1979.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th September 1979

Ref No. PTK/79-80/155.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land in vill. Daultpur situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Savitri Devi, Mission Road, Pathankot, (Transferor)
- (2) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Ram Lal of Pathankot Dhoki Tehsil Pathankot, Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, if any. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 2 kanals situated in village Daulat Pur, tehsil Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2220 dated 11-1-79 of the registering authority, Pathankot.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1979.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/156.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- One property situated at Katra Gurba Bazar Jaura Pipal Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar city on January 1979 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Ajit Singh Chawla s/o Joginder Singh and Vaiinder Singh Chawla minor sons Shri Joginder Singh Chawla (Natural guardian).

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand s/o Shri Sunder Dass and Darshan Lal s/o Shri Rakha Mal r/o 116 Shakti Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

**THE SCHEDULE**

One building No. 243 and 247/7 situated at katra Garbha Singh Bazar Jaura Pipal, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3650/1 dated 5-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/157.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/2 share in property situated at Majith Mandi, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Amritsar city on January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Sawaranjit Kaur w/o Pirtpal Singh r/o G.I. 1032 Sarojini Nagar, Delhi, Harjit Singh Mukhtar (Aam).

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rani w/o Shri Kunj Lal r/o E/F 430 Krishna Nagar, Jullundur city.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, if any. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/2 property No. 336/6 situated in Bazar Majith Mandi Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3746/I dated 11-1-79 of the registering authority Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
17—286GI/79

Date : 4-9-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Harjit Singh s/o S. Nikka Singh r/o 2/101  
Rup Nagar, Delhi,  
(Transferor)

(2) Smt. Radha Rani w/o Shri Kashmiri Lal r/o 2/A  
New Gobind Garh Jullundur city.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
if any. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be  
interested in the property].

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/158.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in property situated at Majith Mandi, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 property No. 336/6 situated in Bazar Majith Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3745/1 dated 2-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1979.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) S/Shri Budh Singh s/o Bishan Singh and Harbans Singh S/o Bishan Singh,  
r/o Dhab Wasti Ram, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Amrik Singh s/o S. Ajit Singh,  
r/o 63, Sant Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/159.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Bhagtanwala Gate Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One property situated at Bhagtanwala Gate within municipal limit, Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 3941/I dated 24-1-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th September 1979

Rcf. No. ASR/79-80/160.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. One Shed situated at Bhagwanwala Gate, Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at SR, Amritsar on January 1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Budh Singh s/o Bishan Singh and Harbans Singh S/o Bishan Singh,  
r/o Dhab Wasti Ram, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ajit Singh s/o S. Bhagat Singh,  
r/o 63, Sant Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One shed situated at Bhagwanwala Gate near Sant Nagar, Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 4155/1, dated 13-2-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/161.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One double storeyed house situated at Dhariwal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Gurdaspur on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

(1) Sh. Vyas Dev s/o Shri Ram Saran Dass, R/o Dhariwal Tehsil Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Devi Sharan s/o Shri Jagdish Raj, Dhariwal Tehsil, Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants(s) if any. [Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One double storeyed house (area 10 marlas) situated in Dhariwal Tehsil and District Gurdaspur as mentioned in the registered sale deed No. 6670 dated 28-1-79 of the registering authority, Gurdaspur.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Pushpa Wati wd/o Shri Durga Dass,  
R/o Amritsar Cantt., Amritsar.  
(Transferor)

(2) Psychological Health Centre at Batala Road,  
Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 30th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/162.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Batala Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar on January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 1080 sq. yds. situated on Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3712/I dated 9-1-1979 of the registering Authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-8-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Shri Dharam Pal s/o Durga Dass,  
R/o Amritsar 15, Cantt., Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Psychological Health Centre at Batala Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) in any,  
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property].

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 1st September 1979

Ref. No. ASR/79-80/163.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, In pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 1082 sq. yds. situated on Batala Road, Amritsar as mentioned in the regt. sale deed No. 3711/I dated 9-1-1979 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-9-1979

Seal :

## FORM ITNS

- (1) S. Harjit Singh s/o S. Gurcharan Singh,  
R/o house No. 6, Tej Nagar Sultanwind Road,  
Amritsar.  
(Transferor)
- (2) S. Amarjit Singh s/o Pritam Singh,  
R/o House No. 2392/5, Chowk Mana Singh, Kucha  
Nadhalian, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and teant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property].

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/164.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot of land situated in Sultanwind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on January, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 785 sq. yds. situated in Sultanwind, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3762/1 dated 11/12-1-79 and Registering Authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-8-1979

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME TAX**  
**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 30th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/165.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Kapur Nagar Sultanwind Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 18-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 18—286GI/79

(1) S. Amar Singh Masa' Hakeem s/o S. Asa Singh Chowk Baba Pahauri wala Amritsar and Dalip Singh s/o S. Raula Singh, R/o Gali Langarwali, Amritsar.

(Transferors)

(2) S. Harbhjan Singh Gurdev Singh, Ram Singh Sukhpal Singh and Surjit Singh ss/o Shri Purao Singh, House No. 4825/27 Gali No. 3, Saravarpura Amritsar.

(Transferees)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
 [Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 656 sq. yds, situated Kapur Sultanwind Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3838/J dated 18-1-1979 of the Registering Authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-8-1979  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sant Ram s/o Rattan Chand,  
R/o Shastri Market, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Smt. Shantidevi w/o Late Shri Babu Lal,  
R/o Bagh Rama Nand, Gali No. 2, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Amritsar, the 10th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/166.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269J of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house situated at Patel Chowk, Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

One house No. 194/IV-2 MCA area 60 sq. mts. ( $\frac{1}{4}$  share) situated in Patel Chowk, Amritsar as mentioned in registered sale deed No. 4028/I dated 31-1-79 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-9-9179  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Sant Ram s/o Shri Rattan Chand,  
R/o Shastri Market, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Smt. Kamla devi w/o Shri Romesh Chand,  
R/o Gali No. 2, Bagh Rama Nand, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property].

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/ share in house No. 192/IV-4 MCA situated in Patel Chowk, Amritsar as mentioned in the regd. sale deed No. 4079/I dated 5-2-1979 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L MAHAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-9-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/168.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house on Plot No. 144, situated at Chatiwind, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 6-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

- (1) Shri Maan Singh s/o S. Attar Singh, Chowk Baba Sahib, Gali Panjab Singh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Gauri Kaur w/o Shri Sakhira Singh, Jaswant Kaur w/o Ganga Singh, R/o Abadi Sri Guru Ram Dass Sarai, Amritsar. (Transferees)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One house on plot No. 144 situated inside Chitwind Abadi, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4095/I dated 6-2-1979 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-9-1979

Seal :

**FORM ITNS —————****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 14th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/169.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at village Dagg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ajnala on January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mahant Madho Dass Chela Ram Dass,  
R/o Dagg tehsil Ajnala.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtar Singh, Jaswant Singh ss/o Dalip Singh,  
R/o village Veroke tehsil Ajnala.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 66 kanalas 12 marlas situated in village Dagg tehsil Ajnala as mentioned in the registered sale deed No. 4112 dated 21-1-79 of the Registering Authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-9-1979

Seal :

## FORM I.T.N.S.— —

(1) Mahant Madho Dass Chela Ram Dass,  
R/o Dagg tehsil Ajnala.

(Transferor)

(2) Shri Jagtar Singh Massa Singh ss/o Dalip Singh,  
R/o Veroke tehsil Ajnala.

(Transferees)

(3) As at St. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/170.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land in village Dagg situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ajnala on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 66 kanals 13 marlas situated in village Dagg tehsil Ajnala as mentioned in the registered sale deed No. 4113 dated 31-1-79 of the Registering Authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1979

Seal :

**FORM ITNS**(1) Smt. Poli d/o Isher Singh,  
R/o Nassar tehsil Ajnala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/171.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agricultural land in village Nassar, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ajnala on January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Sukhdev Singh, Haibans Singh, Piara Singh, ss/o S. Shangara Singh, R/o village Nassar tehsil Ajnala.

(Transferees)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 70 kanals 10 marlas in village Nassar tehsil Ajnala as mentioned in the registered sale deed No. 3750 dated 1-1-1979 of the Registering Authority Ajnala.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-9-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gopal Singh adopted s/o Maj. Harinder Singh,  
R/o Raja Sansi tehsil Ajnala.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/172.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land in village Rajasansi, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ajnala on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Mohan Kaur, Prit Mohan Kaur, Deep Mohan Kaur, Anil Mohan Kaur, ds/o Shri Shashpal Singh, Rajasansi.

(Transferees)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 132 kanals 2 marlas situated in village Rajasansi as mentioned in the registered sale deed No. 3959 dated 19-1-1979 of the Registering Authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date 14-9-1979

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri Shamsher Singh s/o Bhagwan Singh,  
R/o Khiala Khurd, Tehsil Ajnala.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh s/o Mohan Singh,  
R/o Khiala Khurd, Tehsil, Ajnala.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property].

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. ASR/79-80/173.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land in village situated at Khiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Ajnala on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 42 kanals 6 marlas situated in village Khiala Khurd, Tehsil Ajnala, as mentioned in the registered sale deed No. 4055 dated 25-1-1979 of the Registering Authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—286GI/79

Date : 14-9-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 18th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/174.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nirmala Vati w/o Shri Hiral Lal,  
R/o House No. 2253 Lambi Gali Katra Dulo,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Raj s/o Shri Amar Nath,  
R/o H. No. 691/13, Rani Bazar, Sharifpura,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One house No. 3 situated at Abadi Gopal Nagar (Khasra No. 125/73 Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 3754/I dated 12-1-79 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 18-9-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Kulwant Kaur wd/o Gurdial Singh,  
R/o Sham Nagar, Tehsil Amritsar.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/175.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shop in Moti Bazar Ktr. Ahluwalia situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1979, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Smt. Kamaljit Kaur w/o Sarabjit Singh, Lady Health Visitor, P.H.C., Verka, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

One shop situated at Moti Bazar, Katra Ahluwalia, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3656/I dated 5-1-79 of the Registering Authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 18-9-1979  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No. RAC. 196/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-323, 323/1 et 5 situated at Umabagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. S/Sri K. Raghavender Rao, 2. K. Tirumalachswar Rao, 3. K. Umapathy, 4. K. Anil, 5. K. Raghuveer, 6. K. Sudhir, 7. K. Ramchowaramma, 8. Lakshmi Devi, W/o Satyanarayana Reddy, all residing at H. No. 10-2-521 Asifnagar, Hyderabad.  
(Transferors)

(2) S/Sri Mohd. Abdul Raheem, 2. M. A. Nayeeem Zakee, 3. M. A. Saleem, 4. M. A. Muneem, 5. M. A. Kalcem, 6. M. A. Muqueem, all residing at H. No. 21-3-406 at Mehboob-ki-Mehndi, Hyderabad.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property bearing M. No. 5-8-323, 323/1, 323/2, 323/3, 323/4, 323/5 known as "Venkat Bhavan" at Umabagh, Nampally, Hyderabad, registered vide Document No. 173/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Sri Ali Bhai S/o Virji, H. No. 223 Kareemabad Co-operative Housing Society at Chiragali lane, Hyderabad.

(2) 1. Mohd. Obeidur Rehman,  
2. Mohd. Abdul Rehman,  
both residing at H. No. 10-6-180 at Syed Ali Chabutra, Hyderabad.

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No. RAC, 197/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-107 situated at Station Road, Nampally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House M. No. 5-8-107 situated at Station Road, Nampally, Hyderabad, registered vide Doc. No. 458/79 in the office of the Joint-Sub-Registrar, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No. RAC. 198/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-107 situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) 1. Smt. Basheerunnisa W/o late Mohd. Ghani, Co-operative Housing Society, Chiragali lane, Hyderabad.
- (2) 1. Smt. Basheerunnisa W/o late Mohd. Ghani,  
2. Kumari Sadath Jahan, D/o late Mohd. Abdul Ghani, H. No. 20-6-180 at Syed-Ali-Chabutra, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Portion of the House M. No. 5-8-107 at Station Road, Nampally, Hyderabad, registered vide Doc. No. 459/79 in the office of the Joint-Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No R.A.C. No. 199/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-1-128 situated at Masab Tank Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad, on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Zaibunnissa Begum, W/o Ltd. Col. Syed Basheeruddin Ahmed, H. No. 10-1-127/2 Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Syeda Aftab, W/o Dr. Mohd. Aziz Sultaiman, H. No. 10-1-128 at Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building M. No. 10-1-128 situated at Masab Tank, Hyderabad, registered vide Document No. 280/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Adusumilli Rama Devi, W/o Sri A. Krishna Murty H. No. 3-A Entrenchment Road, Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Siddiqua Tabassum W/o Major Syed Mishud-din, H. No. 10-3-304/12 at Humayun Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No. RAC. No. 200/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 11 is situated at S. No. 56, 58 Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE .

Plot No. 11 admeasuring 680 Sq. Yds. situated at Begumpet, Hyderabad, in Survey No. 56 to 58, registered vide Doc. No. 34/79 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Manilal Tankrson of Karsanji,  
R/o Mancherial Tq-Luxettipet,  
Adilabad-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Mustyala Shankaraiah, S/o Narsaiah,  
R/o Mancherial, Tq—Luxettipet,  
Adilabad-Dist.

(Transeree)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th September 1979

Ref. No. RAC. No. 201/79-80.—Whereas, I K.K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24/12 situated at "Vasant Talkies" Mancherial (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mancherial on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Cinema Hall and godown known as "Vasant Talkies," M. No. 24-12 at Mancherial, Luxettipet-Tq. Adilabad-Dist. Registered vide Doc. No. 40/79 in the Sub-Registrar Mancherial.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-9-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
20—286GI/79

**FORM ITNS—**

(1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269-3 at Dewan Dewdi,  
Hyderabad.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Kulsum Bee, W/o Mohd. Hasoon,  
H. No. 22-6-265/10 at Cooche-Naseem, Hyderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th September 1979

Ref. No. RAC. No. 202/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 Shop No. 9 is situated at 22-7-269/9 Dewan Delodi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Shop No. 9 in the house M. No. 22-7-269/9 at Dewan Dewdi, Pattargatti, Hyderabad, admeasuring 250 Sq. ft. registered vide Document No. 43/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-9-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) S/Shri O. Kumaraswamy, 2. O. Ramadas,  
both residing at Guntakal, Ananthapur.

(Transferor)

(2) Sri K. Obul Reddy, S/o Thimma Reddy,  
R/o Guntakal, Ananthapur.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 203/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. lands in situated at S. No. 253 at Guntakal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntakal on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands 7.88 Acres, in survey Nos. 253 situated at Guntakal, Ananthapur, registered vide Document No. 45/79 in the office of the Sub-Registrar Guntakal.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1979.  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) 1. Sri K. Sethurama Sastry,  
2. K. Sadasiva Sastry,  
R/o Chinna Muttur, Ananthapur.  
(Transferor)
- (2) Sri Kakaria Ramachandra Naidu, S/o Rangaiah,  
R/o Somanapally, Guntakal-Tq. Ananthapur.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 204/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. lands situated at S. No. 829, & 843/Somanapally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntakal on January-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands in survey Nos. 829 and 843, 9.37 Acres, situated in Guntakal, Ananthapur-registered, vide Doc. No. 7/79 in the office of the Sub-Registrar Guntakal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Sri K. Sethurama Sastry, 2, K. Sadashiva Sastry,  
S/o of K. Padmanabaih, R/o Chinna Muttur-  
Villg. Gooty-Tq. Ananthapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Kakarla Rangaiah S/o K. Kondaiah,  
H. No. Sumanapally, Ananthapur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 205/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. lands situated at S. Nos. 829 & 843 at Guntakal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntakal on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural lands 9.37 Acre. in survey Nos. 829 and 843 situated at Sumanapally villg. Guntakal, Ananthapur registered vide Doc. No. 8/79 in the Office of the Sub-Registrar, Guntakal.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 206/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 1-1-156/157 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) 1. Mrs. Avabai Behramchenoy,  
2. Mrs. Roshan Minoo Patel,  
3. Feroze Behram Chenoy,  
4. Jehangir Behram Chenoy,  
all residing in "Chun Villa" Banglow No. 64 in M. No. 1-1-156/157 at Sardarpatel Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Y. Shankar Rao, H. No. 7-1-406 at Maruthi Veedi, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Out houses with open site admeasuring 567 Sq. Yds. in the premises M. No. 1-1-156/157 at Sardar Patel Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 166/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri G. Jagannadham H. No. 1 Cottage, Lalapet,  
Secunderabad.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri Omprakash Tibrewala,  
2. Smt. Parameshwari Devi,  
H. No. 5-9-22/41/B at Adarshanagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 207/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Adarshanagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot of land 452 Sq. Yds. at Adarshanagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 223/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. D. Shakuntala Devi W/o D. Narasimha Reddy,  
H. No. 4-1-738 at Tuljaguda, Hyderabad.  
(Mozamzahi Market).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. S. Sakkubayamma, W/o Balappa,  
H. No. 4-1-738 (1st floor) Quarter No. 24 Wanapathy Quarters, near Mozamzali Market, Hyderabad.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 208/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 is situated at 4-1-738 at Mojamzahi Market, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Quarter No. 24 (1st floor) bearing M. No. 4-1-738 at Tuljaguda Mozamzahi Market, Hyderabad, registered vide Doc. No. 332/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Khaja Ahmedullah Khan, S/o late Khaja Asadullah Khan, R/o Monica Estate, Valparai, Coimbatore, Tamilnadu.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 209/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-7-4 to 19 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s. Thirumalai Traders, Represented by its partner Sri Lakshminarayan Agarwal H. No. 3-6-108/A Saheedyar Jung lane, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Building out houses structures bearing M. No. 1-7-4 to 1-7-19 at Sardar Patel Road, Secunderabad, 9382 Sq. Yds. registered vide Document No. 379/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—286GI/79

## FORM ITNS

(1) Smt. G. Varalakshamma, W/o Jagannadha Sastry,  
H. No. 10-3-313/3 at Masab Tank, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Dr. T. Kamleshwari Rangiah, W/o Dr. Rangaiah,  
H. No. F-1, B-14 MIGH, Vijayanagar, Colony,  
Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 210/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-3-313/3 situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House M. No. 10-3-313/3 at Masab Tank, Hyderabad, registered vide Document No. 57/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1979.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 211/79-89.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-248/3 situated at Banjara Hills, Road, No. 1, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Annees Fatima,  
W/o Shri Hasnuddin Ahmed,  
2. Sri Hasnuddin Ahmed,  
both R/o H. No. 22-1-957 at Aziz Bagh,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri J. Bhasker Rao,  
S/o Sri J. Narsing Rao, Advocate,  
H. No. 3-5-170/1/4 at Narayanaguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

House M. No. 6-3-248/3 Double storeyed building at Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 453/79 in the office of the Joint Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Kausalya Sharma,  
W/o Shri S. L. Sharma,  
R/o H. No. 15-2-453 at Kishe Gunj,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Somawani  
W/o Sri Sardar Amrit Singh,  
Surjit Co., Afzal Gunj, Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 212/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 & 5 situated at Ward 3, B-6 at Murlidhar Bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open plot No. 4 and 5 ward No. 3 and Block No. 6 situated at Murlidhar Bagh, Basheerbagh, Hyderabad, 374 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 456/79 in the office of the Joint Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1979

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Kanne Kishan  
W/o late B. Ramalal Kishan,  
2. Shri Sunil Kishan,  
3. Kum. Purnima Kishan,  
4. Shri Anil Kishan,  
all R/o H. No. 4-1-1240 at Road King Koti,  
Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

- (2) Smt. Tummala Rama Laxmi  
W/o late Venkat Reddy,  
R/o Endepally Village,  
Kareemnagar-Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Portion of main building with land admeasuring 550 Sq. Mts. M. No. 16-11-740/4/A/1 within S. No. 315/3 of Gaddi Annaram Villg. Hyderabad, registered vide Doc. No. 548/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD  
Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 214/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 7.23 Acre situated at Gachi Bowli, Rang. Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-West on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Chenna Reddy Gari Pedda Eshwar Reddy, Rep. by his Attorney Sri Cheena Reddy, Gari Siva Reddy 6-2-966/10 at Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Chenna Reddy Gari Bala Mohan Reddy, S/o Sri C. Joseph Reddy, H. No. 6-2-966/10 at Khairtabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- 
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

7 Acres 23 $\frac{1}{2}$  guntas of agricultural land at Gachi Bowli, village Hyderabad, West-Tq. Rangareddy-Dist. registered vide Doc. No. 148/79 in the Office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. S/Shri S. Appaiah, 2. S. Venkataratnam,  
 3. V. Purnachandra Rao, 4. Ch. Bhaskar Rao,  
 5. Ch. Mohan Rao, partners in  
 M/s. Sun Shine Cable Industries,  
 Jangaoan, Warangal-Dist.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 215/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-10-81/1 situated at Jangaoan, Warangal-Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jangoan on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri S. Appaiah,  
 M.D. Sun-Shine Cable Industries Pvt. Ltd.,  
 Industrial Estate, Jangaoan, Warangal-Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot C-I and Factory Building No. 3-10-81/1 at Industrial Estate, Jangaoan, Warangal-Dist. registered vide Doc. No. 420/78 in the Office of the Sub-Registrar Jangoan, Warangal Dist.

K. K. VEER,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1979  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. Narainibai,  
W/o Sri Kishinchand,  
2. Sri Ashanand,  
S/o Sri Kishinchand,  
1-8-229/10 P. Penderghast Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 216/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot land situated at No. 144 P.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) Sri Kishinchand,  
S/o late Raghumal,  
H. No. 1-8-229/10 at P. G. Road,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Open plot of land No. 144 situated at Prendarghast Road, admeasuring 565 Sq. Yds. Secunderabad, registered vide Document No. 100/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. K. Joyti Reddy,  
W/o K. Pandu Ranga Reddy,  
H. No. 3-5-1089/9 at Narayanguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. Damodhar Reddy,  
(Khaderabad Villg) present  
H. No. 1-1-590 at Gandhinagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 217/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 28/B situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Open plot of land 350 Sq. Yds. plot No. 28/B at Domalguda, Gaganmahal Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 111/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—286GI/79

Date : 17-9-1979

Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Sri Prabodh Balwant Rai Bhutta  
 2. Sri Mahender Balwant Rai Bhutta,  
 both R/o H. No. 5-4-165 Ginawala Compound  
 Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 218/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No.

Mulgi No. 5-4-150 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Sri M. Sudhesh Kumar,  
 S/o M. Premjal,  
 R/o H. No. 14-9-833 at Jumerat Bazar,  
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Mulgi M. No. 5-4-150 at Mahatma Gandhi Road, Ranigunj, Secunderabad, admeasuring 72 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 63/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. 219/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of 1-2-212/1/C/1 situated at Domalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Amar Bin Abdullah alias Amru, R/o 19-1-180 Doodbowli, Hyderabad.
2. M. Seethal Singh, R/o 3-5-628 Vithalwadi Narayanguda, Hyderabad.
3. M. Shankar Singh
4. M. Manohar Singh
5. M. Vijay Singh
6. M. Arvind Singh,
7. M. Baldev Singh  
all R/o 3-5-628 Vithalwadi, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Anne Adinarayana  
S/o Sri Venkataramiah,  
H. No. 3-6-369/A9 Road No. 1,  
Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 267 Sq. Yds. in S. No. 192 and in the premises M. No. 1-2-212/1/C/1 Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 212/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) S/Shri Amar Bin Abdullah alias Amru,  
H. No. 1-1-180 Dood-bowl, Hyderabad.  
2. M. Seethal Singh, 3. M. Shankar Singh,  
4. M. Manohar Singh 5. Vijay Singh,  
6. Arvind Singh, 7. Baldev Singh,  
all r/o H. No. 3-5-628 at Vithalwadi,  
Hyderabad.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

- (2) Mrs. A. Saroja  
W/o Adinarayana,  
H. No. 3-6-369/A9 at Road No. 1,  
Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 220/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 1-2-212/1/C/1 situated at Gaganmahal Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATIONS:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 333 Sq. Yds. at Domalguda, Hyderabad, in S. No. 192, M. No. 1-2-212/1/C/1, registered vide Doc. No. 213/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Tahera Sayeed,  
W/o Brig. Sayeed,  
H. No. 10-2-287/A at A.C. Guards,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Periyaswamy,  
S/o Sri Perpetham Chettiar  
H. No. 10-2-287/A at A.C. Guard,  
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 221/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port 10-2-287/A situated at A.G. Guards, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of building M. No. 10-2-287/A at A.C. Guards, Hyderabad, registered vide Doc. No. 217/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 222/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R-14, 15 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sri Krishna Construction Co.,  
5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.  
Represented by Kailash Charan  
H. No. 8-2-626 6 Road No. 1  
Banjara Hills, Hyderabad.  
2. Raj Kumar,  
R/o 3-2-350 Chappal Bazar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Kutubunnisa alias Mrs. Quayoom Arifuddin,  
H. No. 4-1-938/R-14 and 15 (4th floor)  
Krishna Complex, Tilak Road,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat bearing M. No. 4-1-938 'R-14 and 15 in 4th floor in premises known as Krishna Complex, Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 479/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Syed Mohd Abid Hussain,  
R/o 6-3-1086 at Somajiguda, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Sri A. Ramachandra Rao,  
6-3-1089/B, Somajiguda, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 223/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-1086/1 situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Premises M. No. 6-3-1086/1 900 Sq. Mts. at Rajbhawan Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 234/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Sri Y. Malikarjuna Prasad,  
R/o 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(2) Dr. S. Bala Parmeshwara Rao,  
H. No. 3-4-875/2 at Barkatpura,  
Hyderabad.

(Transferee)

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 224/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 situated at 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on January, 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot No. 6 in the premises M. No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, admeasuring 509 Sq. Yds., registered vide Doc. No. 114/79 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1979

Seal :

\*[Strike off where not applicable]

## FORM ITN8

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 225/79-80.—Whereas, I, K. K. VEFR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-1218/6 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairatabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Zaiba Farzana  
 W/o Mohd. Jawad Farooqui  
 H. No. 10-3-304/12 at Himayatnagar,  
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Ayesha Mannan alias Kareemunnisa Begum,  
 W/o Mohd. Abdul Mannan,  
 R/o 11-5-132 at Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land and Building M. No. 6-3-1218/6/2 admeasuring 225 Sq. Yds. at Umanagar Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 98/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—  
 23—286GI/79

**FORM ITNS—**

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad,  
R/o 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Sri Metta Manohar Rao,  
R/o 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 226/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-1111 plot situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot in premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, admeasuring 371.5 Sq. Yards, registered vide Doc. No. 214/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Sri Y. Mallikharjuna Prasad,  
R/o Challapally House, Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 227/79-80.—Whereas J. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-1111, situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Mohd. Yousuffuddin, H. No. 6-3-1111-Begumpet, Hyderabad (H. No. 6-3-1199/A Begumpet).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Plot of land admeasuring 895 Sq. Yds. in the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vjdc Doc. No. 220/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 228/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 40 situated at 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad,  
H. No. 6-3-1111 Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) G. Mohan Rao,  
S/o Ramgopal Rao,  
H. No. 3-1-100/D at Kareemnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 11 in the premises M. No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 227/79 in the Sub-Registrar office, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri M. Mallikarjuna Prasad,  
R/o Challapally House, Begumpet,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 229/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-1111 Plot,  
situated at 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad

Khairtabad on January 1979

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Dr. Y. Savitri Devi,  
(C/o Y. Vijaya Kumar),  
H. No. 3-5-911/B at Himayatnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plots Nos. 19, 20, & 21 admeasuring 1133.5 Sq. Yds in the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 245/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Y. Mallikharjuna Prasad,  
6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Thirumalch H. No.  
6-3-1110 at Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 230/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 6-3-1111,

situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 341.25 Sq. Yds. in the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 248/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad,  
R/o Challapally House, Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Nadira Sultana,  
II, No. 6-3-1111 at Begumpet,  
Hyderabad.

(Present address at Malakpet, Hyderabad)

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 231/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 17 situated at 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, Plot No. 17 admeasuring 528 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 281/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 232/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port 10-2-67,  
situated at East Maredpally, Secunderabad  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Jamuna Bai, R. Dube and Ravinder Dube, & others.  
H. No. 11-1-461 at Sithapalmandi,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) D. Umasankar,  
H. No. 10-3-134, East Maredpally,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Northern portion of H. No. 10-2-67 at East Maredpally, Secunderabad, registered vide Doc. No. 4/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) 1. Premji Khestshi,  
2. Smt. Narbata Premji, Khestshi,  
H. No. 4-4-826 at K. S. Lane,  
Sultan Bazar,  
Hyderabad.  
(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri Kanayalal,  
H. No. 5-9-22/57 at Adarshnagar,  
Hyderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 233/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lands S. No. 609 & 633,  
situated at Amberpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on January 79  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land in Survey No. 609 and 633, situated at Amberpet Kalan village, 9 Acres, 19 Gunta, Hyderabad, registered vide Document No. 486/79 in the office of the Hyderabad-East.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
24—286GI/79

Date : 18-9-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) 1. Sri G. T. V. Ranga Charyulu,  
S/o late G. L. N. Charyulu,  
R/o Srirangapuram Vilg. Tenali-Tq,  
Guntur Dist.
2. Sri G.T.V. Lakshmi Narasimham,
3. Sri G.T.V. Sriramga Madhu Srinivas,  
(Sons)

(Transferors)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

- (2) Sri Chodavarapu Bala Mouli,  
1-2-6 at Gaganmahal Colony, Domalguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 234/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 6/1, situated at Gaganmahal, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. S. 6/1 in Gaganmahal Co-operative Development Society Domalguda, Hyderabad, admeasuring 464 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 96/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1979  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Mahmooda Bee, alias Yousuffinnisa Begum, W/o Safdar Khan, H. No. 17-3-434/3 at Yakut-pura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bhagvati Prasad, H. No. 3-5-170/A/9 Narayanguda, Hyderabad-29.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 235/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of Land situated at Rahmat Bagh, Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Open plot of land 647 Sq. Yds. (17/105—share) survey No. 7 at Rahmatbagh, Opposit to Police station Kachiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 53/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE.  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 236/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

open land, situated at Yousufguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri B. Jangaiab,  
s/o Sonayya, and others,  
R/o Yousufguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Saibaba Co-operative Housing Society Ltd.,  
R/o Goshemahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Plot of land One acre, situated at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Document No. 126/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri R. Gandiah & others,  
R/o Yousufguda, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 237/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. No. 14, 15,  
situated at Yousufguda, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot of land One Acre survey No. 14 and 5 at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 124/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 18-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS —————

(1) Sri B. Rajalakshmi, S/o Sayanna,  
& 15 others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 238/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open land No.

situated at Yousufguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Khairatabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sri Saibaba Co-operative Society, Ltd.,  
T.A.B. No. 197/77 at Goshamahal,  
Hyderabad.
- (2) Sri Saibaba Co-operative Society, Ltd.,  
T.A.B. No. 197/77 at Goshamahal,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot of land One Acre, situated at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 125/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Smt. Siddiqua Tabassum, H. No. 10-3-304/12 at Humyaunnagar, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 239/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-4-636 situated at A.C. Guards, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri G. Gunasagar &amp; Smt. G. V. Subbalakshmi Sagar, "Goteti Nursing Home" Galivari St. Bhimavaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

New Double storeyed house M. No. 11-4-636 A.C. Guard, Hyderabad, registered vide Doc. No. 76/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1979.

Seal :

**FORM ITNS —————**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 240/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot B-7 is situated at Block III, Industrial area Uppal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

(1) Eastern Commercial and Industrial Enterprises Pvt. Ltd., Represented by Sri Mohan Singh, 154 at Raj Mahal Village Extn. Bangalore-560006.  
(Transferor)

(2) M/s R. N. Filters Pvt. Ltd., Represented by the Director Sri R. Niranjana Reddy, H. No. 8-3-1079/1 at Sreenagar Colony, Hyderabad. (B-7 Uppal Industrial Area, Hyderabad-39).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The incomplete Building plot No. B-7 Block No. III, at Uppal Industrial area of 5 Acres, at Uppal Industrial area Hyderabad, registered *vide* Doc. No. 240/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad, R/o Challapally, House, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) The Andhra Pradesh Karunegar Sangham, Regt. No. 642/1976 Secretary, U. Jayaraman, R/o Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 241/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-1111 situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 23 in M. No. 6-3-1111 area 481 Sq. Yds. situated at Begumpet, Hyderabad, registered *vide* Doc. No. 238/79 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

25—286GI/79

## FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME TAX**  
**ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 242/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing  
No. Agr. Land S. No. situated at 7/B at Saroonaagar, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on January 1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri V. Basava Raju H. No. 3-6-693 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Vysya Graduates Co-operative Housing Society Ltd., H. No. 6-1-91 at Vasavi Nagar, Secretariat Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 12.00 Acrs. in survey No. 7/B at Saroonaagar, Village Hyderabad-East, registered *vide* Doc. No. 785/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.  
Seal :

## FORM ITNS -----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 243/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-402 situated at Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Najima Ansari Alias Najimunnisa Begum, W/o Hamid Ansari, 8-2-466/1 at Road No. 4 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master B. Balakrishna (Minor) guardian Sri B. Ramaswamy, H No. 8-2-402 Road No. 5 at Banjara Hills, Hyderabad

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2,  
[Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 8 2-402 at Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad, registered vld Document No. 263/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 244/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-402 situated at Poud N. 5 at Banjara Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Najima Ansari alias, Najimunnisa Begum, W/o Sri Hamid Ansari, H. No. 8-2-466/1 at Road No. 1 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Saroja, W/o Sri B. Ramaswamy, M/s Adarsh Builders, H. No. 8-2-402 at Road, No. 5 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of premises H. No. 8-2-402 at Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad, open land admeasuring 1675 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 264/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Sri Rai Keshav Pershad Kapoor, s/o Kishen Pershad,  
8-1-328, Sheikpet, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Sri Mohd. Muneeruddin, s/o Mohd. Shamsuddin,  
5-9-841, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 17th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 245/79-80.—Whereas, I K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 11-4-636 situated at Saifabad, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad in January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

House bearing No. 11-4-636 situated at Saifabad, Hyderabad registered through document No. 102/1979 in the office of the Joint-Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1979

Seal :

## FORM JTNS

(1) Sri Mohd. Abdul Moqueem, through G.P.A.,  
Ghulam Naseeruddin, 5-9-589, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Rafiuddin Ahmed, s/o Ghulam Naseeruddin,  
5-9-589, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC No. 246/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-589 situated at Gunfoundry, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5-9-589 at Gunfoundry, Hyderabad registered through document No. 26/79 at the Joint-Sub-Registrar's office, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-9-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Captain M. Upender, S/o Ramappa, 2. M. Raghvendar, (G.P.A. Sri M. Ramappa) 3. Ravishankar, all residing at H. No. 1-8-60 Chikkadpally, Hyderabad.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Smt. Raparti Jagadamba W/o R. Venkata Swamy, H. No. 1-8-30 at Chikkadpally, Hyderabad.  
(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 247/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-60 situated at Chikkadpally, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Portion of House Part B-M No. 1-8-60 at Chikkadpally Hyderabad, including open land of 364 Sq. Yds, registered vide Doe. No. 411/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 248/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-60 situated at Chikadpally, Hyderabad Por-A, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Captain M. Upendar, S/o M. Ramappa,  
2. M. Raghadender, S/o M. Ramappa (G.P.A.  
holder).  
3. M. Ravishankar, S/o M. Ramappa, all residing  
H. No. 1-8-60 at Chikadpally, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Raparthi Jana Bai, W/o R. Kistaiah, H. No. 1-  
1-336/2/1 at Viveknagar, Chikadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A-Portion of the H. No. 1-8-60 at Chikadpally, Hyderabad including the open land of 258 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 412/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Mange Ram s/o Sh. Budh Ram r/o 35 Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bahadur Singh s/o Bishen Singh, R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC[Acq-I]SR-III[Jan-I(59)|78-79|740.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land No. 276/2, situated at Village Gadaipur, New Delhi. (and more) fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agr. land area 3 bighas 16 biswas situated at K. No.276/2, Village Gadaipur, New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date 22-9-79  
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

